www.bharatsamvad.in
R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper
or
Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

2 आतंक के विरुद्ध भारत की दृढ़ता, नहीं कर सकते आतंकी हमलों की अनदेखी

पीओके में पाकिस्तान फिर से आतंकी कैंप्स बना रहा 06

वर्ष :17 | अंक :88 | प्रयागराज , रविवार , 29 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के बूंदी में तालाब में डूबने से दो लोगों की मौत

राजस्थान के बूंदी जिले में अलग-अलग घटनाओं में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई और एक किशोर लापता हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। पहली घटना में शुक्रवार को बूंदी जिले के बरधा बांध के ऊपर एक पुलिया पार करते समय बारां जिले के अटरू थाना क्षेत्र के कुंजेड गांव के निवासी मोहित यदुवंशी (19), लक्ष्य मालव (22) और उसका भाई पानी के तेज बहाव में बह गए। तालेड़ा पुलिस थाने के क्षेत्र अधिकारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि लक्ष्य मालव और उसका भाई तैरकर सुरक्षित निकल आए, जबकि यदुवंशी तेज बहाव में बह गया। लापता किशोर का अभी तक पता नहीं चल पाया है। दूसरी घटना में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के कर्मचारी रामचंद्र पासवान (43) और शंकर माली शुक्रवार शाम बूंदी सदर पुलिस थाने के अंतर्गत कंजरी सेलोर में एक तालाब में डूब गए। बूंदी सदर थाने के क्षेत्र अधिकारी रमेश आर्य ने बताया कि रामचंद्र गलती से उफनते तालाब में गिर गया।

केरल में भारी बारिश, आईएमडी ने पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया

केरल में मानसून की बारिश जारी रहने के कारण राज्य में हाई अलर्ट जारी है, क्योंकि नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और बांधों के शटर खोले जा रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के लिए अपने पूर्वानुमान में संशोधन किया है, जिसके तहत आज वायनाड और इडुक्की जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। आईएमडी ने राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में शनिवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश होता है। पिछले कुछ दिनों में राज्य में हुई बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में वायनाड जिले के बाणासुर सागर और पथानामथिट्टा जिले के मूझियार जैसे कुछ बांधों के फाटक खोल दिये गए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, त्रिशूर जिले में पीची बांध के फाटक शनिवार दोपहर को खोले जाने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण जल स्तर बढ़ने के बाद पलक्कड़ में कंजिरापुझा, मालमपुझा और मीनकारा सहित विभिन्न बांधों के फाटक शनिवार को खोल दिए गए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने स्पेस स्टेशन पर मौजूद शुभांशु शुक्ला से की बातचीत

भारतीय एस्ट्रोनॉट बोले- अंतरिक्ष से भारत भव्य दिखता है, दिन में 16 सूर्योदय, 16 सूर्यास्त देखते हैं

एक्सिओम मिशन 4

▶▶एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) के पायलट के रूप में कार्यरत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में जाने वाले 634वें व्यक्ति और आईएसएस के अंदर कदम रखने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है। अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले आखिरी भारतीय 1984 में राकेश शर्मा थे, लेकिन शुक्ला अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (28 जून) को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की, जो एक ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि भारतीय वायु सेना के अधिकारी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय बन गए। एक्सिओम स्पेस के एक्स-4 मिशन के हिस्से के रूप में उनकी यात्रा को वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर माना जा रहा है।

1984 के बाद से आई.एस.एस. पर पहुंचने वाले पहले भारतीय एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) के पायलट के रूप में कार्यरत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में जाने वाले 634वें व्यक्ति और आईएसएस के अंदर कदम रखने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की शुभांशु शुक्ला से पूरी बातचीत...

- प्रधानंत्री- आज आप हमारी मातृभूमि से दूर हैं, लेकिन आप भारतीयों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभारंभ भी है। इस समय सिर्फ हम दोनों ही बात कर रहे हैं, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं भी मेरे साथ हैं।
- शुभांशु- पीएम मोदी आपकी और 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं यहां ठीक और सुरक्षित हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यह एक नया अनुभव है। यह यात्रा सिर्फ मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की यात्रा है।
- प्रधानमंत्री- आपको पृथ्वी माता की परिक्रमा का मौका मिला है, आप अभी कहां हैं?
- शुभांशु- हम 16 बार परिक्रमा करते हैं, 16 सनराइज और 16 सनसेट देखते हैं। 28 हजार किमी/घंटे की रफ्तार से चलते हैं। यह गति दिखाती है कि हमारा देश कितनी गति से आगे चल रहा है।

जो हमें चुनौती देगा... प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ अपना रुख दोहराया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आतंकवाद के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया को रेखांकित किया और एक स्थायी एवं समृद्ध भारत के निर्माण के उद्देश्य से नौ प्रमुख संकल्पों पर प्रकाश डाला। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जो हमें चुनौती देगा... दर्शकों ने नारे लगाते हुए वाक्य पूरा किया। उन्होंने कहा कि मैंने आधा वाक्य भी नहीं कहा और आपने उसे पूरा कर दिया। जैन आध्यात्मिक नेता आचार्य प्रज्ञा सागर ने मोदी सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान लिए गए निर्णयों की सराहना की, जिनमें अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए को निरस्त करना, केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख की कार्टोग्राफिक सीमाओं को परिभाषित करने वाला नया मानचित्र प्रकाशित करना और पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 7 मई की सुबह भारत द्वारा शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर शामिल है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। पीएम मोदी ने कहा कि शब्दों में न कहते हुए भी शायद आप ऑपरेशन सिंधु को अपना आशीर्वाद दे रहे थे। मोदी ने टिकाऊ और समृद्ध भारत के निर्माण के उद्देश्य से नौ प्रमुख संकल्पों को भी दोहराया, जिनमें शामिल हैं: जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्थानीय उद्यमों का समर्थन करना, देश की सांस्कृतिक समृद्धि का पता लगाने के लिए देश के भीतर यात्रा करना, जैविक खेती को प्रोत्साहित करना, स्वस्थ जीवन शैली अपनाना, योग और खेल को अपनाना तथा वंचितों को सहायता प्रदान करना। उन्होंने जैन दर्शन और समाज में आचार्य विद्यानंद महाराज के योगदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

अमित शाह का युवाओं से अपील

2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व नेता बनाने का लें संकल्प

शाह वीडियो लिंक के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया, जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया। शाह वीडियो लिंक के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए शाह ने कहा, ₹अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई-बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।₹ उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंद गुरु की वीरता को आगे बढ़ाया है और 2047 तक भारत को एक महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। शाह ने कहा, यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण बात है। हमारे युवाओं और बच्चों को एक ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना चाहिए, जहां देश अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाए जाने पर दुनिया में हर क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करे।₹ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गोविंद गुरु विश्वविद्यालय की स्थापना का विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सोचा था। शाह ने अपने संक्षिप्त आभासी संबोधन में कहा कि आज, यह पंचमहल (जिले) के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।

लैंडस्लाइड के चलते केदारनाथ हाईवे बंद

नॉर्थ ईस्ट में 5 दिन से रेल कनेक्टिविटी टूटी; मुंबई में हाई टाइड से सड़कों को नुकसान

मुंबई में समुद्र में हाई टाइड उठ रहा है। इस वजह से समुद्र किनारे की सड़कों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, महाराष्ट्र के चंद्रपुर का ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व का मेन एरिया मानसून की वजह से 1 जुलाई से तीन महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद किया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली , मौसम विभाग ने आज देश के 31 राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। यूपी-बिहार समेत देश के 27 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र (मध्य), केरल में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के सोनप्रयाग में शुक्रवार देर रात तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई। इस वजह से केदारनाथ हाईवे बंद हो गया है। रास्ते से मलबे को हटाने का काम जारी है। पुलिस ने यात्रियों को कुछ दूर पहले सुरक्षित स्थान पर ही रोक लिया है। राजस्थान के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। शुक्रवार को जैसलमेर, जयपुर, सीकर, अलवर समेत 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, बिजली गिरने से बूंदी में एक युवक और महिला, सिरोही में बच्चे और डूंगरपुर में युवक की मौत हो गई। महाराष्ट्र में तेज बारिश जारी है। त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, असम (दक्षिण) में रेलवे लाइन पर कई जगहों पर तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई है।

अखिलेश यादव ने बुलडोजर को बताया अन्याय का प्रतीक

कहा- जमीन कब्जा करने के लिए भाजपा कर रही प्रशासन का इस्तेमाल

सपा प्रमुख ने योगी आदित्यनाथ के सिलसिले में कहा, उन्होंने गोरखपुर के लिए सबसे पहले घोषणा झांसी में जाकर की थी और कहा था कि झांसी के साथ-साथ गोरखपुर में मेट्रो (मेट्रो रेल सेवा) बनाएंगे। दिल्ली सरकार के 11 साल और यहां के नौ साल पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन न झांसी में मेट्रो बनी और न गोरखपुर में मेट्रो बनी।

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर शनिवार को निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जहां-जहां जमीन दिखाई दे रही है, वहां-वहां भाजपा के लोग कब्जा कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने यहां सपा मुख्यालय में प्रेसवार्ता में गोरखपुर में बन रहे विरासत गलियारा के लिए व्यापारियों और नागरिकों की जमीन अधिगृहीत किये जाने क । मामला उठाते हुए शासन-प्रशासन के साथ ही भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं पर 25 जून को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में गोरखपुर गए चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का पुलिस की मौजूदगी में बुलडोजर लेकर रास्ता रोकने, दुर्व्यवहार करने, वाहनों पर अंडे और पत्थर फेंकने तथा काला झंडा दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि इनका जो फर्जी विरासत गलियारा बन रहा है, सपा सरकार बनने पर विकास का गलियारा बनायेगी। सपा प्रमुख ने गोरखपुर में विरासत गलियारा के वास्ते मुआवजा सहमति के स्थान पर बाजार भाव से देने की मांग करते हुए

एअर इंडिया ने 4 कर्मचारियों से इस्तीफा मांगा

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के 8 दिन बाद मनाया था जश्न, डांस का वीडियो सामने आया

एजेंसी

नई दिल्ली , एअर इंडिया ने अपने ग्राउंड हैंडलिंग वेंचर 4 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा है। ये कार्रवाई इनकी एक पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद की गई। इन कर्मचारियों ने अहमदाबाद प्लेन हादसे के 8 दिन बाद यह पार्टी की थी। एअर इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'अहमदाबाद प्लेन हादसे की दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के साथ हम पूरी संवेदना के साथ खड़े हैं। वायरल वीडियो में कर्मचारियों का व्यवहार है, यह हमारी कंपनी की पॉलिसी के खिलाफ है। हमने जिम्मेदार लोगों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।' मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है।

अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं..

ममता सरकार पर भाजपा का वार

एएनआई से बात करते हुए मजूमदार ने कहा कि दोनों घटनाएं (हाल ही में हुई और आरजी कर बलात्कार मामला) एक शैक्षणिक संस्थान के अंदर हुई। इन्हें रोकने में राज्य सरकार की अक्षमता एक दयनीय विफलता है

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हाल ही में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए बलात्कार मामले सहित शैक्षणिक संस्थानों से लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं के बाद शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर सरकार छात्रों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित नहीं कर सकती तो उसे अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मजूमदार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना और हाल ही में लॉ कॉलेज मामले का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल के शैक्षणिक संस्थानों में छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। एएनआई से बात करते हुए मजूमदार ने कहा कि दोनों घटनाएं (हाल ही में हुई और आरजी कर बलात्कार मामला) एक शैक्षणिक संस्थान के अंदर हुईं। इन्हें रोकने में राज्य सरकार की अक्षमता एक दयनीय विफलता है... किसी को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने इन घटनाओं को रोकने में राज्य सरकार की दयनीय विफलता की निंदा की और कानून और व्यवस्था बनाए रखने की उनकी क्षमता पर सवाल उठाया और मांग की कि कोई इन विफलताओं की जिम्मेदारी ले, यह सुझाव देते हुए कि अगर सरकार सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती तो उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

राज्य सरकार के औचित्य पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने आगे कहा, आप कहते हैं कि पुलिस हर जगह नहीं हो सकती.

गुरुग्राम महिला मॉक पार्लियामेंट में इमरजेंसी पर बहस

सीएम बोले- आपातकाल में कांग्रेस ने किए थे बड़े अत्याचार

▶▶सीएम सैनी ने कहा, पार्लियामेंट का भी मैं सदस्य रहा हूं। पार्लियामेंट का एक-एक शब्द मायने रखता है। देश ने कांग्रेस को बाहर कर दिया है। हमारा लोकतंत्र पवित्र है। 2047 तक मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा।

एजेंसी

चंडीगढ़ , गुरुग्राम में आयोजित महिला मॉक पार्लियामेंट में आपातकाल पर चर्चा के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, आपातकाल के समय देश की सरकार ने ही अपने ही लोगों पर ऐसा अत्याचार किया, जो अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। कांग्रेस को इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। सीएम ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा, ह्रराहुल गांधी जेब में संविधान लेकर घूमते हैं, लेकिन असल में वो आज भी सपनों की दुनिया में जी रहे हैं। उनका शीशा नहीं, बल्कि चेहरा ही खराब है। इस मौके पर हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली भी सीएम के साथ मौजूद थे। इन्होंने जम्मू-कश्मीर में जाने के लिए परमिट शुरू कियागुरुग्राम में आयोजित महिला मॉक पार्लियामेंट में सीएम सैनी ने कहा, कांग्रेस ने संविधान का अपमान किया है।

तंज वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर चुनाव आयोग पर हमलावर टीएमसी

पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने की हो रही कोशिश..

एजेंसी

टीएमसी सांसद ने कहा कि जुलाई 1987 से दिसंबर 2004 के बीच पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और एक माता-पिता के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। दिसंबर 2004 के बाद पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और माता-पिता दोनों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण।

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने शनिवार को चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में कहा कि यह पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम है। ओ ब्रायन ने प्रेस वार्ता में कहा कि चुनाव आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण नामक एक अभ्यास कर रहा है, और फिर उन्होंने कहा कि वे इसे बंगाल में भी जारी रखेंगे। इसके तहत, नए और मौजूदा मतदाताओं को जुलाई 1987 से पहले पैदा हुए लोगों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। टीएमसी सांसद ने कहा कि जुलाई 1987 से दिसंबर 2004 के बीच पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और एक माता-पिता के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। दिसंबर 2004 के बाद पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और माता-पिता दोनों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। यदि ये दस्तावेज एक महीने के भीतर जमा नहीं किए जाते हैं, तो आपका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। टीएमसी संवैधानिक निकाय के रूप में भारत के चुनाव आयोग का सर्वोच्च सम्मान करती है, लेकिन संवैधानिक निकाय को भाजपा का शाखा कार्यालय नहीं बनना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि यह अभ्यास अचानक अभी क्यों किया जा रहा है? हमारे पास सबूत हैं कि यह अभी किया जा रहा है क्योंकि बंगाल के लिए भाजपा के नवीनतम आंतरिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि भाजपा को बंगाल विधानसभा चुनावों में 46 से 49 सीटें मिलेंगी। चीजों को बदलने या बदलने की कोशिश करने की हताशा में, आप ये हताशाजनक चीजें करते हैं। ओ'ब्रायन ने कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) एनआरसी को पिछले दरवाजे से लाने की कोशिश कर रहा है। 1935 में नाज़ियों के शासन में आपको एक पूर्वज पास दिया जाना था। यह साबित करने के लिए कोई कागज का सबूत कि आप एक भारतीय नागरिक हैं, क्या यह उस नाजी पूर्वज पास का नया संस्करण है? उन्होंने कहा कि सभी इंडिया ब्लॉक पार्टियाँ इसे संसद के अंदर और बाहर उठाएँगी। ईसी ने कहा था कि 30 अप्रैल, 2025 तक इसका समाधान हो जाएगा।

हमारा सवाल यह है कि आपने क्या समाधान निकाला है? हमने मिलने का समय माँगा है। आपने हमें समय नहीं दिया है। शुक्रवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चुनाव आयोग को पत्र लिखा और इस अभ्यास को छोड़ने का आग्रह किया।

उनके पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं, लालू यादव पर सम्राट चौधरी का तंज

बिहार में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय मॉडल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसका मतलब है राजा बनो, रानी (सत्ता में) लाओ और फिर राजकुमार और राजकुमारी और आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह और उनकी पार्टी राज्य में 15 साल तक सत्ता में रहे, लेकिन उन्होंने इसके विकास के लिए कुछ नहीं किया। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, बिहार में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय मॉडल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसका मतलब है राजा बनो, रानी (सत्ता में) लाओ और फिर राजकुमार और राजकुमारी और आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने 15 साल तक बिहार पर शासन किया - सात साल मुख्यमंत्री रहे और उनकी पत्नी राबड़ी देवी अगले आठ साल तक सीएम रहीं - राष्ट्रीय जनता दल के नेता इस बड़े अवसर का फायदा उठाने में विफल रहे। चौधरी ने कहा कि लालू जी को बड़ा अवसर मिला। वह बिहार के मुख्यमंत्री थे और फिर 8 साल तक कठपुतली मुख्यमंत्री रहे।

सम्पादकीय

विश्व की नई आर्थिक शक्ति बने भारत, आर्थिक, उन्नत एआइ और परमाणु शक्ति संपन्न बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है। ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआइ साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीक से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने देश को आर्थिक और सामरिक क्षेत्र में मजबूत बनाया है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया। अब भारत को दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की चुनौतियों से मुकाबले के लिए उन्नत एआइ से संपन्न एवं आर्थिक रूप से सशक्त देश बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का विश्लेषण बताता है कि अब युद्ध में एआइ और आर्थिक ताकत की अहमियत बढ़ गई है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हो रही है।चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और उससे भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतः भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाना होगा। इसके लिए जरूरी है सरकार, विज्ञानी, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और जनता एकजुटता दिखाए। भारतीय अर्थव्यवस्था जिस तेजी से बढ़ रही है, उसे देखते हुए देश के वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की उम्मीद बढ़ी है। इजरायल-ईरान युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत बहुआयामी आर्थिक सुधारों के बल पर मजबूती के साथ खड़ा है इस युद्ध से कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट आई, वहीं भारत बेहतर स्थिति में रहा। आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति और कृषि क्षेत्र में सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों से झेलने में सक्षम बनाया है।युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है। इजरायल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में घटी। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत और थोक महंगाई दर महज 0.39 प्रतिशत है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरतों को पूरा करने लायक गेहूं और चावल हैं।कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 प्रतिशत बढ़कर 35.39 करोड़ टन के रिकार्ड स्तर पर पहुंच सकता है। युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा।

आज का विचार

सारी दुनियाँ कहती है
कि हार मान लो लेकिन दिल कहता है
कि एक बार और कोशिश करो,
तुम ये जरूर कर सकते हो

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशि : करियरः आपको परिवार में किसी सदस्य के करियर से संबंधित कोई फैसला लेना पड़े, तो वह जल्दबाजी में ना लें बिजनेसः आपके कुछ बाहरी लोगों से भी अच्छे संपर्क रहेंगे, जिनका आप पूरा लाभ उठाएंगेधनः आप अपने मित्रों पर कुछ धन भी खर्च कर सकते हैं

वृषभ राशि : करियरः जो लोग लंबे समय से विदेश जाने की योजना बना रहे थे, तो उन्हें कोई शुभ सूचना को मिल सकती है. पद व प्रतिष्ठा बढ़ने से प्रसन्न रहेंगे। बिजनेसः अपनी आय को ध्यान में रखकर व्यय करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा.

मिथुन राशि : करियरः कार्य क्षेत्र में मन मुताबिक लाभ मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा. आपको अपनी किसी प्रिय व मूल्यवान वस्तु के प्रति बहुत ही सावधान रहना होगा. बिजनेसः कुछ नए लोगों से भी मेलजोल बढ़ा कर अपनी किसी समस्या को आसानी से हल कर पाएंगे.धनः धन संबंधित मामले में मिलाजुला रहने वाला है.

कर्क राशि : करियरः आप अपने काम पर पूरी मेहनत करेंगे और निगरानी रखेंगे, तभी आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा. जो लोग राजनीति क्षेत्रों में कार्यरत है, उन्हें सावधान रहना होगाबिजनेसः किसी तरह का शॉर्टकट न अपनाएं धनः बचत करके चलें, नहीं तो दिक्कत हो सकती है.स्वास्थ्यः वाहन सावधानी से चलाएं

सिंह राशि : करियरः धार्मिक कार्य से जुड़ेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी. बिजनेसः व्यापार के मामले में मन में नकारात्मक विचारों को लाने से बचना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है। धनःकिसी गलत आदमी का साथ देने से बचें, धन हानि के योग.

कन्या राशि : करियरः आपको अपनी मेहनत से आज कुछ आगे बढ़ना होगा. किसी पर आश्रित न रहें अन्यथा काम रुक सकता है बिजनेसः कुछ नई योजनाएं बनाने के लिए समय अनुकूल रहने वाला हैधनः ये दिन आपकी आर्थिक स्थिति के लिए मजबूती लेकर आएगा. यदि आप किसी से धन उधार लेंगे

तुला राशि : करियरः दि आप किसी निवेश को करने की योजना बना रहे थे, तो उसमें आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा अवश्य लें। आपका कोई रुका हुआ काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा. बिजनेसः आप अपने व्यवसाय से जुड़े कामों में कोई बदलाव करने की योजना बना सकते हैं

राशि : करियरः आप किसी व्यावसायिक कार्य के चलते छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं.बिजनेसः सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के मान सम्मान में वृद्धि होगी.धनः वर्तमान स्थितियों में सोच समझ कर कोई निर्णय लेना आपके लिए बेहतर होगा

धनु राशिः करियरः आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, तो बेहतर रहेगा. आप कार्य क्षेत्र में काम करने के तौर-तरीकों में बदलाव कर सकते हैंबिजनेसः यदि आप किसी योजना की शुरूआत करना चाहते हैं, तो उसके लिए आज दिन अच्छा रहने वाला है.

धनः आपके अच्छे व्यवहार के कारण आज माहौल खुशनुमा रहेगा. आप अपनी कुछ नीतियों को बनाकर चले, तो आप अच्छा नाम और दाम कमा सकते हैं.

मकर राशिः करियरः आप कार्य क्षेत्र में किसी काम के पूरा होने पर विश्वास बनाए रखेंगे. बिजनेसः आपके किसी काम के पूरा न होने से आपको निराशा हाथ लगेगी। यदि आपने दूसरों से कुछ ज्यादा उम्मीद लगाई है, तो वह आज पूरी नहीं होंगी.

कुंभ राशि : करियरः आज का दिन आपके लिए कार्य क्षेत्र में चल रही समस्याओं से मुक्ति दिलाने वाला रहेगा. आप खुद पर ज्यादा जिम्मेदारी ना लें, नहीं तो बाद में उन्हें आपको निभाने में समस्या हो सकती है.

मीन राशिः करियरः आपको आज किसी काम के पूरा ना होने से निराशा हाथ लगेगी।धनः कार्यक्षेत्र में यदि आपको कोई किसी निवेश संबंधी योजना के बारे में बताएं, तो आपको उसमें निवेश करने से बचना होगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आतंक के विरुद्ध भारत की दृढ़ता, नहीं कर सकते आतंकी हमलों की अनदेखी

किंगदाओ में यह झलक भी देखने को मिली कि चीन-पाकिस्तान की मौजूदगी वाले मंच पर भारत के लिए गुंजाइश सीमित होती जाएगी। यह चीन की सुनियोजित नीति दिखती है। एससीओ दस्तावेज में भी यह दिखा पर भारत ने भरपूर दृढ़ता दिखाई कि अपने सिद्धांतों की रक्षा के लिए ऐसे किसी मंच पर उसे अगर सदस्य देशों के खिलाफ भी खड़ा होना पड़े तो वह उससे नहीं हिचकेगा।

चीन के किंगदाओ शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन-एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन आतंक के खिलाफ भारत की दृढ़ता के लिए याद किया जाएगा। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ के उस संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया जिसमें पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख तो नहीं था, उलटे बलूचिस्तान का संदर्भ जोड़ दिया गया था।भारत का यह रुख पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कायम उसके रवैये के अनुरूप ही है कि आतंक के साथ अब कोई समझौता नहीं किया जाएगा और अगर भारत किसी मंच पर इसे लेकर अलग-थलग भी पड़ जाए तो उसे उसकी कोई परवाह नहीं।इससे पहले आपरेशन सिंदूर के बाद भी विभिन्न देशों में भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से भी भारत ने वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने का जोरदार अभियान चलाया था।एससीओ के मंच पर भी भारत ने उसी नीति की निरंतरता को प्रदर्शित किया।मूल रूप से चीन के वर्चस्व वाले एससीओ का भारत काफी समय बाद सदस्य बना है। पाकिस्तान भी इसका सदस्य है। इस समूह के प्रमुख उद्देश्यों में से एक यह भी है कि आतंकवाद और चरमपंथ के खिलाफ वह क्षेत्रीय सहयोग के लिए आधार तैयार करने की भूमिका निभाएगा, लेकिन इसकी कार्यप्रणाली उसके चरित्र से मेल नहीं खाती। समय के साथ इस संगठन में चीन का वर्चस्व और बढ़ता गया है। इसका एक कारण बदले हुए वैश्विक समीकरणों में रूस पर लगे तमाम प्रतिबंध भी हैं, जिनके चलते मास्को की बीजिंग पर निर्भरता बढ़ी है।अन्यथा रूस भी इस समूह में एक संतुलक की भूमिका निभाता रहा है। बढ़ते दबदबे का लाभ चीन अपने निहित स्वार्थों को साधने में कर रहा है। पाकिस्तान का पुरजोर समर्थन इसकी पुष्टि करता है। यह किसी से छिपा नहीं है कि आतंकवाद को लेकर चीन कई मौकों पर पाकिस्तान की ढाल बना है और ऐसा ही एक प्रयास उसने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भी किया। यह इससे स्पष्ट झलकता है कि पहलगाम के जिस आतंकी हमले की दुनिया भर में कड़ी भर्त्सना हुई उसका उल्लेख तक एससीओ दस्तावेज में नहीं किया गया।उलटे उस बलूचिस्तान का प्रसंग जोड़ा गया जहां पाकिस्तानी सेना द्वारा स्थानीय लोगों का बर्बरता से किया जा रहा दमन मानवीय उत्पीड़न के नए रिकार्ड बना रहा है। पहलगाम का संदर्भ हटाकर और बलूचिस्तान का मुद्दा जोड़ने की यह कवायद भारत को असहज करने के लिए ही की गई और ऐसी स्थिति में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर से किनारा करके बिल्कुल सही किया। असहमति के इस संदेश की गूंज दुनिया भर में सुनी जाएगी।चीन और पाकिस्तान को लेकर अक्सर कहा जाता है कि भारत को दो मोर्चों पर लड़ाई के लिए अपनी तैयारी करनी होगी, लेकिन देखा जाए तो यह दोहरा नहीं, बल्कि एक ही मोर्चा है। हम चीन और पाकिस्तान को अलग करके नहीं देख सकते। चीन का पाकिस्तान प्रेम इस कदर बढ़ चुका है कि उसके लिए वह कोई भी कदम उठाने को तैयार दिखता है।एससीओ के हालिया सम्मेलन की ही बात करें तो किसी भी संगठन में चेयर या प्रमुख की भूमिका वाले देश का एक दायित्व यह भी होता है कि वह समूह के समक्ष आए एजेंडे पर सहमति बनाए। यदि सहमति न भी बना पाए तो ऐसा करने के लिए प्रयासरत तो दिखना चाहिए, लेकिन रक्षा मंत्रियों की बैठक से जुड़े संयुक्त बयान के मामले में चीन ने ऐसी कोई कोशिश तक नहीं की। दोनों देशों की यह मिलीभगत वह दुरभिसंधि दशार्ती है, जिसका भारत को समय रहते कोई तोड़ खोजना होगा।

पाकिस्तान के साथ निपटना भारत के लिए कोई बड़ी बात नहीं, लेकिन उसे मिलता चीन का साथ इस चुनौती को और विकराल बनाता जाएगा।भारत और चीन के संबंधों में भी लंबे समय से तल्खी हावी रही है। पिछले साल अक्टूबर में दोनों देशों के बीच वार्ता से संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कुछ सहमति बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीति ने भी दोनों देशों को परस्पर हितों की पूर्ति के लिए साथ आने के लिए कुछहद तक प्रेरित किया है। परिणामस्वरूप संबंधों में कुछ सहजता का भाव बनता दिखा है।कैलास-मानसरोवर यात्रा भी पांच साल बाद फिर से आरंभ हुई है। इस सबके बावजूद इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान का पहलू चीन के साथ संबंधों में सदैव एक रोड़ा बना रहेगा। चीन अपने हितों की पूर्ति के लिए भारत को भाव तो देना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान की कीमत पर नहीं। इसलिए भारत को भी चीन के साथ सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा। पाकिस्तान के अलावा खुद चीन का पिछला रिकार्ड भी इस सतर्कता की आवश्यकता को मुखरता से रेखांकित करता है।इन परिस्थितियों में भारत चीन के साथ तात्कालिक एवं मध्यम अवधि में कुछ बिंदुओं पर आगे बढ़ सकता है, लेकिन दीर्घकालिक भविष्य के लिए उसे चीन की प्रभावी काट के लिए कोई स्थायी उपाय करना ही होगा। अमेरिका को पीछे छोड़कर स्वयं विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में स्थापित होने को लालायित चीन कभी नहीं चाहेगा कि उसके पड़ोस में भारत जैसी किसी बड़ी ताकत का उभार हो। यह सुनिश्चित करने में वह अपने स्तर पर तो प्रयास करेगा ही, लेकिन समय-समय पर भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान का भी इस्तेमाल करता रहेगा। आपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान को मिली चीनी मदद के संकेत सामने आए हैं। इसलिए भारत को इस दोहरी चुनौती से निपटने के लिए सामरिक-रणनीतिक के अलावा कूटनीतिक एवं आर्थिक विकल्प भी तलाशने होंगे।किंगदाओ में यह झलक भी देखने को मिली कि चीन-पाकिस्तान की मौजूदगी वाले मंच पर भारत के लिए गुंजाइश सीमित होती जाएगी। यह चीन की सुनियोजित नीति दिखती है। एससीओ दस्तावेज में भी यह दिखा, पर भारत ने भरपूर दृढ़ता दिखाई कि अपने सिद्धांतों की रक्षा के लिए ऐसे किसी मंच पर उसे अगर सदस्य देशों के खिलाफ भी खड़ा होना पड़े तो वह उससे नहीं हिचकेगा।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

ललित गर्ग

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के वैश्विक पर्याय थे पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे ,नमन

संजीव ठाकुर

गुदगुदाता हुआ हास्य, तीक्ष्ण व्यंग्य, अद्भुत रचनात्मक शैली के धनी अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे सबको रोता,बिलखता और आंसुओं से भीगता हुआ छोड़ गए। उनका आसामयिक निधन संपूर्ण साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। अपनी स्वयं की मृत्यु पर हास्य पैदा करने वाले और हास्य व्यंग में टाइगर अभी जिंदा है कहने वाले हास्य के शिखर पुरुष व्यंग्य के पुरोधा, छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे जी के निधन से साहित्य जगत स्तब्ध है। उनकी जीवन शैली ऊर्जा और साहित्य के प्रति जिजीविषा सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य और बोली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गगनचुंबी ख्याति प्रदान की है। डॉ सुरेंद्र दुबे जितने उच्च कोटि के कवि थे उतने ही संवेदनशील, सीधे, स्वाभिमानी और गरीब तबके के व्यक्तियों के बड़े हिमायती भी थे। मुझे उनके साथ 15 से 20 मंचों में काव्य पाठ का प्रदेश और देश के विभिन्न स्थानों में सानिध्य प्राप्त हुआ है। वे मुझसे हमेशा अपने छोटे भाई की तरह ही व्यवहार किया करते थे और पूरे समय हास, परिहास, व्यंग एवं मजाक ही किया करते थे। उनकी श्रीमती शशि दुबे मेरे मामा जी की सुपुत्री हैं और रिश्ते में मेरी बड़ी बहन लगती है इस तरह मेरा डॉ सुरेंद्र दुबे जी से रिश्ता साले- जीजा का बड़ा नाजुक और मजाक का ही हुआ करता था। वे मंच में संचालन करते हुए भी मुझ पर मेरा पूरा नाम लेकर व्यंग कसा करते थे और उस हास परिहास में श्रोताओं के साथ कवियों को भी काफी आनंद आया करता था, यह मेरा सौभाग्य था कि वह मुझे इस काबिल समझते थे। छत्तीसगढ़ी भाषा के हास्य व्यंग्य के पुरोधा कवि डॉ सुरेंद्र दुबे छत्तीसगढ़ एवं देश के कवि सम्मेलन की आन बान और शान रहे, छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि सम्मेलनों में डॉक्टर सुरेंद्र दुबे की उपस्थिति अति अनिवार्य होती थी जब भी कोई कवि मंच में दर्शकों द्वारा नापसंद या खारिज किया जाता था तब डॉक्टर सुरेंद्र दुबे ही थे जो मंच को और दर्शकों को पूरी तरह संभाल कर गुदगुदा कर हास्य पैदा कर देते थे जिससे कवि सम्मेलन पूरी तरह सफल हो जाया करता था। व्यक्तिगत तौर पर मैं डॉक्टर सुरेंद्र दुबे जी की कविताओं और उनकी मेहनत लगन तथा ईमानदार व्यक्तित्व का बहुत बड़ा प्रशंसक और अनुयाई रहा हूं। उनका अचानक स्वर्ग सिधार जाना व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी अपूर्णीय क्षति है। छत्तीसगढ़ का हर कवि सम्मेलन उनके बिना अधूरा और अपूर्ण हुआ करता था उनकी हास्य कविताओं से छत्तीसगढ़ प्रदेश का हर नागरिक और देश का हर व्यक्ति बड़ा कायल था। उनकी इस प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें 2010 में भारत सरकार ने पद्मश्री सम्मान से विभूषित किया था। निश्चित तौर पर वे इस सम्मान के सच्चे और सही हकदार थे। देश और प्रदेश के हर कवि सम्मेलन में उनकी उपस्थिति कवि सम्मेलन की सफलता की गारंटी और पर्यायवाची थीह्न 72 वर्षीय हास्य सम्राट कवि डॉक्टर सुरेंद्र दुबे ने 26 जून को शाम 4:00 बजे अपनी अंतिम सांसें ली और स्वर्ग में देवताओं को हंसाने के लिए स्वर्ग सिधार गए। 27 जून 25 को दोपहर बहुत बड़ी संख्या में उनके प्रशंसको की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया।उनके निधन पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल माननीय रामेन डेका जी ने श्रद्धांजलि अर्पित की है साथ ही माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत डॉक्टर सुरेंद्र दुबे की आत्मा की शांति तथा शोक संतृप्त परिजनों को दुख सहने के लिए शक्ति और संबल की प्रार्थना की। उन्होंने पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे के निधन को साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति बताया उन्होंने आगे कहा डॉ दुबे जी की जीवंतता, ऊर्जा और साहित्य के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।

समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत मूट कोर्ट प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने विजेता टीम व समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की

भारत संवाद

आज दिनांक 28.6.2025 को माननीय जनपद न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री संजीव कुमार के आदेशानुसार जनपद प्रयागराज के विभिन्न छात्र-छात्राओं के द्वारा समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में आयोजित किया गया, जिसमें जनपद प्रयागराज के इलाहाबाद विधि विद्यालय, जी सिंह विधि कॉलेज व सी. एम. पी. विधि कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। विजेता टीम को व समस्त प्रतिभागियों को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज दिनेश कुमार गौतम द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की गई।यह जानकारी श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा प्रदान की गई

भामाशाह की जयंती के उपलक्ष्य में व्यापारी कल्याण दिवस का हुआ आयोजन

मंत्री नन्दी ने सर्वोच्च राजस्व देने वाले व्यापारियों को भामाशाह सम्मान से किया सम्मानित

भारत संवाद

भारत माता के महान सपूत, दानवीर भामाशाह जी की जयंती की पूर्व संध्या पर जिला पंचायत सभागार में आयोजित व्यापारी कल्याण दिवस समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मंत्री नन्दी ने सर्वोच्च राजस्व कर देने वाले व्यापारियों को भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया, साथ ही समाज में विशेष योगदान देने वाले व्यापारियों का भी अभिनंदन किया। मंत्री नन्दी ने व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर सर्वोच्च राजस्व देने वाले व्यापारियों को भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया।जिनमें रवि पटेल डिप्टी फाइनेंस कैंट्रोलर मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे, डीएम सक्सेना डिप्टी फाइनेंस मैनेजर प्रिज्म जानसन सीमेंट लिमिटेड, वंश गुलाटी डॉयरेक्टर यूनाइटेड आटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, अमित अग्रवाल डॉयरेक्टर जीपी मोटर्स, वीरेंद्र प्रकाश मैनेजर जेके सीमेंट लिमिटेड, चीफ ऑफ सिविल डिफेंस प्रयागराज अनित कुमार गुप्ता अन्नू भैया शामिल रहे।

○ भय नहीं उत्साह चाहिए, देश को भामाशाह चाहिए: नन्दी

भारत माँ के सच्चे सपूत, परम देश भक्त, महादानी और श्रद्धेय भामाशाह को नमन करते हुए औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि कोई भी देश अथवा समाज दीर्घकालीन तभी हो सकता है, जब वह अपने अतीत और पुरखों का सम्मान करता है। भारत का इतिहास स्वर्णिम

और गौरवशाली रहा है।हमारे पुरखों ने धर्म, संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र की रक्षा को सदैव सर्वोच्च महत्त्व दिया। ऐसे समय में जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था तब उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देने में भी संकोच नहीं किया। आज उन्ही बलिदानों की नींव पर एक सशक्त, समृद्ध और स्वतंत्र भारत खड़ा है। हमारे पूर्वजों का त्याग, बलिदान, पराक्रम और संघर्ष ही आज हमारे अस्तित्व का कारण है। मंत्री नन्दी ने कहा कि जो लोग इतिहास के विद्यार्थी हैं वो जानते हैं कि मुगल कितने क्रूर और बेरहम शासक थे। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ नरेश परम प्रतापी महाराणा प्रताप के सामने अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा लेकिन उन्होंने मातृभूमि के स्वाभिमान के लिए इस प्रस्ताव को ठोकर मार दी।

फास्ट ट्रैक

मुविवि की बी एड एवं बी एड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा 30 जून को

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2025- 26 की बी एड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा सोमवार 30 जून 2025 को प्रदेश के 10 जिलों के 12 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।प्रवेश परीक्षा प्रातः 9 से 12 बजे तक आयोजित की जाएगी।आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों की तैनाती कर दी गई है।इसके साथ ही कोर कमेटी के सदस्य परीक्षा केंद्रों पर तैनात रहेंगे।

प्रयागराज में वकील ने किया सुसाइड

प्रयागराज में नोट में कहा- आई मिस यू पूनम, आई हेट यू

भारत संवाद

प्रयागराज, 'मेरा 9 साल का प्यार अधूरा रह गया। आई मिस यू पूनम। आई हेट यू पूनम। तुम खुश रहना। मैं जा रहा हूं।' प्रयागराज में सुसाइड नोट में यह बातें लिखकर वकील ने आत्महत्या कर ली। दरअसल, वकील की शादी घरवालों ने दूसरी जगह तय कर दी थी। 16 मई को बारात जानी थी, कार्ड बंट गए थे, लेकिन ऐन वक्त पर उसने प्रेम प्रसंग के चलते शादी से इनकार कर दिया। उसका शव किराए के मकान में लटका मिला। मकान मालिक ने इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी। पुलिस का कहना है- वकील ने खुदकुशी की है। सुसाइड नोट मिला है। शव का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला हंडिया थाना क्षेत्र का है। सिविल कोर्ट के वकील अजय साहू की मौत के बाद मां शकुंतला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। कुकुहा गांव के रहने वाले अजय

साहू (27) सिविल कोर्ट में वकील थे। झूंसी में त्रिवेणीपुरम निवासी बृजेन्द्र कुमार राय के मकान में किराए के कमरे में रहते थे। शुक्रवार शाम वह कचहरी से कमरे पर पहुंचे। देर रात करीब 10 बजे उन्होंने पंखे में प्लास्टिक की रस्सी बांधकर फंदा लगा लिया। मकान मालिक ने अजय के कमरे का दरवाजा खटखटाया। मगर दरवाजा नहीं खुला। कई बार आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, फिर उन्होंने कमरे की खिड़की को खोलकर देखा तो अजय का शव फंदे से लटक रहा था। उन्होंने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने वकील के शव को फंदे से नीचे उतारा। शव देख परिजनों मे कोहराम मच गया। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला। अजय ने सुसाइड नोट में लिखा- पुलिस और मीडिया से आग्रह है। मेरी मौत के मामले में मेरे परिवार और नाते-रिश्तेदारों सहित मित्रों को परेशान न करें। मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं। मेरा 9 साल का प्यार अधूरा रह गया। आई मिस यू पूनम। आई हेट यू पूनम। तुम खुश रहना। मैं जा रहा हूं। 16 मई को जानी थी बारात, तोड़ दिया रिश्ता पुलिस ने बताया कि अजय की शादी भदोही जिला निवासी युवती से तय हुई थी। शादी के कार्ड बंट गए थे। पिछले महीने 16 मई को बारात जानी थी, लेकिन वकील ने 27 अप्रैल को शादी करने से इनकार कर दिया। इससे उनके परिजन नाराज हो गए थे। बताया कि अजय ढाई वर्ष से वकालत कर रहे थे। अजय पांच भाइयों में सबसे छोटे थे।

उनके भाई संतोष, अशोक, संजय और विनोद साहू हैं। तीन साल पहले उनके पिता भगेलू साहू की मौत हो गई थी। इंस्पेक्टर झूंसी उपेंद्र सिंह का कहना है- वकील ने खुदकुशी की है। सुसाइड नोट मिला है। अब तक की जांच से यही लगता है कि मामला प्रेम-प्रसंग का है। वह डिप्रेशन में थे, कई दिनों से गुमसुम भी थे। सुसाइड नोट में भी यही सब लिखा है। शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा।

आठवीं की छात्रा का शव बाथरूम में मिला

नैनी में शॉवर पर दुपट्टे से लटकी मिली, चाचा के घर छुट्टी मनाने आई थी

भारत संवाद

प्रयागराज, नैनी में आठवीं में पढ़ने वाली छात्रा (15) का शव बाथरूम के शॉवर में दुपट्टे से लटकता मिला। छात्रा फतेहपुर से अपने चाचा के घर छुट्टी मनाने आई हुई थी। सूचना नैनी पुलिस को मिली तो पुलिस ने बाथरूम के दरवाजे को तोड़कर शव को बाहर निकाला और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइट नोट नहीं मिला है। घटना की जांच पुलिस के रही है। फतेहपुर की रहने वाली कुमारी अशिकी 15 वर्ष पुत्री शिव विजय सिंह आठवीं की छात्रा थी। करीब 20 दिन पहले ही चाचा अवधेश ने नैनी हनुमान नगर मोहल्ले में राजेश शर्मा के मकान में किराए का कमरा लिया था और अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते है। अवधेश राजस्थान में मिलिट्री में तैनात है। में भतीजी अशिकी का शव बाथरूम के अंदर शॉवर पर दुपट्टे से लटकता मिला। बाथरूम अंदर से बंद था। अशिकी घर के अंदर नहीं दिखी तो चाची ने बाथरूम की तरफ जाकर देखा। बाथरूम अंदर से बंद था। जिसके बाद दरवाजा पीटा गया, लेकिन कोई आहट नहीं मिली। इसके बाद अवधेश ने तत्काल नैनी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची इन

शव को दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना घरवालों को मिली तो परिजन भी मौके पर पहुंच गए। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि छात्रा की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। कोई सुसाइट नोट नहीं मिला है। फिलहाल जांच की जा रही है।

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' पर झूठे आरोप लगाने वाले यूट्यूब चैनल को 10 करोड़ की मानहानि का नोटिस, वीडियो हटाया गया

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के खिलाफ चलाए गए दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार पर अब विधिक कार्यवाही का असर सामने आया है। यूपी की बात नामक यूट्यूब चैनल ने 27 मई 2025 को अपलोड किया गया अपना झूठा और आधारहीन वीडियो अब प्लेटफॉर्म से हटा लिया है।इस वीडियो में मंत्री नंदी पर भ्रष्टाचार के आरोप, मुख्यमंत्री द्वारा फटकार और विभागीय तबादलों में अनियमितता जैसे संगीन आरोप लगाए गए थे। मंत्री की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता सिद्धार्थ वेंकटेश सिंह ठाकुर के माध्यम से 20 जून 2025 को भेजे गए कानूनी नोटिस में स्पष्ट किया गया कि ये सभी आरोप पूरी तरह से मनगढ़ंत, अप्रमाणित और मानहानिकारी हैं। किसी भी आधिकारिक स्रोत, सरकारी दस्तावेज या मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इन आरोपों की पुष्टि नहीं की गई है।मंत्री नन्दी का सेवाकाल पिछले दो दशकों से अधिक का है, जिसमें उन्होंने औद्योगिक निवेश, रोजगार और अवस्थापना विकास जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और जेवर एयरपोर्ट जैसे राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट्स में उनकी अग्रणी भूमिका रही है।चैनल ने 24 जून को अपने वकील के माध्यम से भेजे गए उत्तर में यह स्वीकार किया कि वीडियो को पहले ही हटा दिया गया है। हालांकि, यह दावा किया गया कि वीडियो 'समाचार प्रस्तुति' के उद्देश्य से था, लेकिन उसकी भाषा और संरचना यह दर्शाती है कि इसका उद्देश्य जानबूझकर छवि धूमिल करना और राजनीतिक दुर्भावना फैलाना था।मंत्री श्री नंदी जी ने इस पूरे प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, ₹लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी को है, लेकिन यह स्वतंत्रता किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने या झूठ फैलाने का माध्यम नहीं बन सकती।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और सच्चाई के साथ कोई समझौता नहीं होगा।न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार, यदि संबंधित पक्ष भविष्य में फिर ऐसी हरकत करता है, तो 10 करोड़ तक की मानहानि व नुकसान की भरपाई के लिए दीवानी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे बोर्ड ,(MOBD) श्री हितेंद्र मल्होत्रा द्वारा टूंडला परिक्षेत्र की निरीक्षण किया गया

भारत संवाद

आज दिनांक 28 जून 2025 को सदस्य, संचालन और व्यवसाय विकास, रेलवे बोर्ड ,(MOBD) श्री हितेंद्र मल्होत्रा द्वारा टूंडला परिक्षेत्र की निरीक्षण किया गया। अपने टूंडला परिक्षेत्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने टूंडला कंट्रोल रूम मे इंस्टॉलड् CTC का गहन निरीक्षण किया। उसके पश्चात कॉन्फ्रेंस रूम में इस विषय के ऊपर की CTC को कैसे और ज्यादा एडवांस बनाया जाए पर संबंधित अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की गई। निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में सदस्य, संचालन और व्यवसाय विकास, रेलवे बोर्ड श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने टूंडला लॉबी का विस्तृत निरीक्षण किया व सभी सर्व संबंधित को संरक्षित परिचालन हेतु काउंसिल किया गया, उक्त निरीक्षण व मीटिंग मे प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे श्री एस एस चंद्रायन, मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज श्री रजनीश अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/प्रयागराज, उप मुख्य यातायात प्रबंधक/टूंडला, मंडल यातायात प्रबंधक/टूंडला व टूंडला परिक्षेत्र के अन्य सभी अधिकारी मौजूद रहे।

माननीय रेल मंत्री द्वारा पुरुलिया से हावड़ा के लिए ट्रेन का शुभारंभ

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता ने नए भारतीय रेलवे की नींव रखी है, और उसे साकार करने का कार्य हो रहा है। श्री अश्विनी वैष्णव

भारत संवाद

नई दिल्ली, भारतीय रेलवे द्वारा क्षेत्रीय रेल संपर्क और स्टेशन आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज सांतरागाछी रेलवे स्टेशन का दौरा किया।इस अवसर पर माननीय केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांता मजूमदार, बिष्णुपुर के सांसद श्री सौमित्र खान, हावड़ा के सांसद श्री प्रसून बनर्जी, रेलवे अधिकारीगण एवं आम नागरिक भी उपस्थित रहे।अपनी यात्रा के दौरान, माननीय रेल मंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सांतरागाछी स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया, जिसका उद्देश्य स्टेशन को एक आधुनिक और विश्वस्तरीय ट्रांजिट हब में परिवर्तित करना है। निरीक्षण के उपरांत, माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेन संख्या 08121 पुरुलिया से हावड़ा तक मेमू सेवा का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। यह सेवा क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करती है। बाँकुड़ा के विधायकगण: श्री नीलाद्रि शेखर दाना (बाँकुड़ा), श्री सत्यनारायण मुखोपाध्याय (छातना), श्री अमरनाथ शखा (ओंदा), श्री दिवाकर घरामी (सनमुखी), श्री निर्मल कुमार धारा (इंडस)।

उत्तर मध्य रेलवे

सं. 797-ई/राज/पुनः नियुक्ति/यांत्रिक/उमरे — दिनांकः 24.06.2025

अधिसूचना

विषयः सेवा की अनिवार्यताओं में परामर्शदाता के रूप में सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारियों की पुनः नियुक्ति।

संदर्भः रेलवे बोर्ड का पत्र संख्या 2024/ई(जीआर)आई/38/1 दिनांक 29.08.2024 और दिनांक 08.11.2024

रेलवे बोर्ड के संदर्भाधीन पत्र के अनुसार तथा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से, भारतीय रेलवे (स्तर-8 एवं स्तर-9) से इच्छुक एवं इच्छुक सेवानिवृत्त ग्रेड 'बी' राजपत्रित अधिकारियों से सेवाओं की आवश्यकताओं के मद्देनजर जूनियर स्केल (केवल) में Consultant के रूप में पुनः नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.	विभाग	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या	कौन आवेदन कर सकता है
1.	यांत्रिक	Consultant (Mech.)	10	सेवानिवृत्त ग्रुप 'बी' अधिकारी स्तर-8 एवं 9
		Total	10	

2. भारतीय रेलवे (स्तर-8 एवं 9) से इच्छुक सेवानिवृत्त ग्रेड 'बी' राजपत्रित अधिकारी Consultant (Mech.) के रूप में पुनः नियुक्ति के लिए निम्नलिखित नियमों एवं शर्तों को स्वीकार करते हुए आवेदन कर सकते हैं:- **(क)** Consultant की नियुक्ति को पुनः नियुक्ति का मामला नहीं माना जाएगा। **(ख)** पुनः नियुक्ति की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष होगी। **(ग)** नियुक्ति की अवधि शुरू में एक वर्ष के लिए होगी तथा प्रशासन की आवश्यकता के अनुसार इसे आगे बढ़ाया जा सकेगा। किसी भी सेवानिवृत्त अधिकारी को योजना की वैधता अवधि के बाद अर्थात **31.12.2026** से आगे नियुक्त नहीं किया जाएगा। **(घ)** ऐसे अधिकारियों को पुनः नियुक्त करते समय, मौजूदा प्रथाओं के अनुसार (जैसा कि ग्रुप 'सी' से ग्रुप 'बी' में चयन के लिए किया जाता है) नामित अधिकारियों से चिकित्सा योग्यता या उपयुक्त श्रेणी प्राप्त की जाएगी। **(ङ)** पुनः नियुक्त अधिकारी मकान किराया भत्ता, आवासीय सुविधा आदि के लिए पात्र नहीं होंगे। हालांकि, निवास और कार्य के स्थान के बीच आवागमन के लिए परिवहन भत्ता, सेवानिवृत्ति के समय नियुक्त व्यक्ति के लिए लागू दर से अधिक नहीं दिया जाएगा। इस प्रकार निर्धारित राशि नियुक्ति की अवधि के दौरान अपरिवर्तित रहेगी। परामर्शदाता के रूप में नियुक्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के समय उनकी पात्रता के अनुसार आधिकारिक दौरे में टीए/डीए, यदि कोई हो, की अनुमति दी जा सकती है। **(च)** सेवा के प्रत्येक पूर्ण माह के लिए 1.5 दिनों की दर से सवेतन अनुपस्थिति अवकाश की अनुमति दी जा सकती है। यदि नियुक्ति बढ़ा दी जाती है तो एक कैलेंडर वर्ष से अधिक अवकाश के संचय की अनुमति नहीं दी जाएगी और न ही उसे आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही, सेवामुक्ति/अनुबंध की समाप्ति के समय अप्रयुक्त अवकाश के बदले कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। **(छ)** Removed/dismissed/compulsorily/voluntarily retired इत्यादि अधिकारियों को पुनः नियुक्त नहीं किया जाएगा। **(ज)** पुनः नियुक्त किए जाने वाले सेवानिवृत्त अधिकारी को सतर्कता और डी एंड एआर कोण से मुक्त होना चाहिए। (झ) सेवानिवृत्त अधिकारी की पुनः नियुक्ति के लिए उसकी सेवानिवृत्ति या पुनः नियुक्ति की अवधि की समाप्ति की तिथि से कम से कम एक सप्ताह (7 दिन) का अंतराल होना चाहिए। **(ञ)** पुनः नियुक्त अधिकारी को यूपीएससी या विभागीय चयन से चयनित उम्मीदवार(यों) के शामिल होने पर या संबंधित पीएचओडी/सीएचओडी की सिफारिश के अनुसार तुरंत सेवामुक्त कर दिया जाएगा। **(त)** प्रशासन, PHOD/CHOD के अनुमोदन से, किसी भी समय, 07 दिन का नोटिस देकर, पुनः नियुक्त अधिकारी की सेवाएं समाप्त कर सकता है, यदि उसका कार्य/सौंपा गया कर्तव्य असंतोषजनक पाया जाता है। **(थ)** पुनः नियुक्त अधिकारियों को निरीक्षण, पर्यवेक्षण, ड्राइंग आदि जैसी जिम्मेदारियां दी जाएंगी। **(द)** पदनाम Consultant होगा जिसके बाद (Trade Name) होगा यानी। ADME के पद पर नियुक्त अधिकारी को Consultant (Mech.) के रूप में नामित किया जा सकता है। **(ध)** Consultant रेलवे संगठन से संबंधित कार्यभार की अवधि के दौरान उसके द्वारा एकत्र की गई किसी भी जानकारी को किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं बताएगा जो उसे जानने/रखने के लिए अधिकृत नहीं है। इस उद्देश्य के लिए, Consultant भारत सरकार के साथ गोपनीयता के एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा जिसमें नैतिकता और अखंडता पर एक खंड शामिल होगा। **(न)** उन्हें मंडल में शाखा अधिकारी या निर्माण इकाई में स्वतंत्र प्रभारी आदि की तरह इकाई का प्रभारी नहीं बनाया जाएगा। **(प)** पुनः नियुक्त अधिकारियों को वित्तीय और डी एंड ए आर शक्तियां नहीं दी जाएंगी और उन्हें कोई सुरक्षा प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत नहीं किया जाएगा। पुनः नियुक्त अधिकारी वित्तीय और अन्य मामलों पर अपने सुझाव नियमित अधिकारी को दे सकते हैं। **(फ)** पुनः नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले सेवानिवृत्त अधिकारियों की पात्रता तय करने के लिए समय-समय पर इस विषय पर जारी किए गए सतर्कता मैनुअल के दिशा-निर्देश लागू होंगे। **(ब)** प्रशासन को प्रशासनिक आवश्यकता के अनुसार पुनः नियुक्त अधिकारियों को एनसीआर के अधिकार क्षेत्र में स्थानांतरित करने का अधिकार होगा। **(भ)** विज्ञापित रिक्तियां और शर्तें प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर परिवर्तन के अधीन होंगी। **(म)** पुनः नियुक्त किए जा रहे सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारी के मासिक पारिश्रमिक सहित अन्य नियम और शर्तें रेलवे बोर्ड के दिनांक **29.08.2024** और दिनांक **08.11.2024** के पत्रों में निहित निर्देशों और समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों द्वारा शासित होंगी। **3. आवेदन कैसे करें:-** सेवानिवृत्त रेलवे ग्रुप 'बी' राजपत्रित अधिकारी (स्तर-8 और 9) जो पुनः नियुक्ति के माध्यम से Consultant (Mech) के रूप में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें निर्धारित प्रारूप (अनुलग्नक-ए के रूप में संलग्न) पर आवेदन करना चाहिए और आवश्यक दस्तावेजों के साथ इसे जमा करना चाहिए। जैसे पी.पी.ओ. की स्व-सत्यापित फोटोकॉपी, सेवा प्रमाण पत्र और हाल ही में खींची गई पासपोर्ट आकार की 04 प्रतियां इस प्रकार से कि वे **उप मुकाअधि/राज, महाप्रबंधक कार्यालय, कार्मिक शाखा, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज-211015 (उत्तर प्रदेश) 11.07.2025** तक पहुंच जाएं। अधिसूचना का विवरण एनसीआर की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है **http://ncr.indianrailways.gov.in.**

(About us → Department → Personnel → NCR Gazetted Section)

Note: इस अधिसूचना में उल्लेखित किसी भी वाक्य अथवा शब्दों से उत्पन्न भ्रम अथवा संदेह की स्थिति में सिर्फ इस अधिसूचना का English Version ही मान्य होगा।

(मनीष कुमार खरे)
उप मुकाअधि/राज
महाप्रबंधक (कार्मिक)

ANNEXURE-'A'

APPLICATION FOR RE-ENGAGEMENT OF RETIRED GAZETTED OFFICERS ON NORTH CENTRAL RAILWAY, PRAYAGRAJ

To,
Dy. CPO/Gaz.,Headquarters Office,
North Central Railway, Allahabad - 211 015.

I hereby apply for re-engagement for the post of Consultant (Mechanical) in North Central Railway, on monthly remuneration basis, on terms & conditions mentioned in the notification dated **24.06.2025**. My service particulars are as under:-

1	Name in full (in block letters beginning with surname)	
2	Father's/Husband's name	
3	Designation and 7th CPC scale at the time of retirement	
4	Division/Unit/Department from where retired	
5	Date of retirement on superannuation	
6	Date of retirement in other than normal retirement	
7	Community : attach caste certificate if any (SC/ST/OBC/UR)	
8	Male/Female	
9	Date of birth	
10	Age not exceeding 65 years as on 01.07.2025	
11	Education/Professional Qualification	
12	a. Last pay drawn b. Grade c. GP & Level	
13	PPO No. & date	
14	Pension drawn at the time of retirement	
15	Permanent address (Block letters) with PINCODE & Mobile Number	
16	Correspondence address (Block letters) with PINCODE & Mobile Number	
17	4 recent passport size photograph	
18	a. AADHAR No. b. PAN No. c. E-mail ID	
19	Enclosure (Copies of the documents) Service Certificate, Pension Payment Orders etc.	
20	Preference of station for posting	1..... 2..... 3.....

I declare that the information furnished above is true to the best of my knowledge and I am liable to punitive action is found false/incorrect. I also declare that I have gone through the terms & conditions in the notification and I shall abide by them.

Place:
Date:

(Signature of the officer)

1122/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

स्वामी चिदानन्द सरस्वती

शांति, अंतर्मन से आरंभ होकर संसार तक प्रसारित होने वाली ऊर्जा

प्रकृति में संतुलन, हृदयों में करुणा और संसार में शांति, यही है सच्ची उन्नति का मार्ग

भारत संवाद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने परमार्थ निकेतन पधारे अलीगढ़ सांसद श्री सतीश कुमार गौतम जी, परिवार के सदस्य, इष्ट मित्रों को प्रकृति व संस्कृति से जुड़ने, अपने मूल व मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देते हुये रूद्राक्ष का दिव्य पौधा भेंट किया।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि जब तक प्रकृति के साथ संतुलन न साधा जाए, तब तक प्रगति विनाश की ओर ले जाती है और जब तक समस्त जीवों की सुरक्षा और समृद्धि की कामना न हो, तब तक शांति केवल एक स्वप्न ही बनी रहती है।

आज, जब सम्पूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, युद्ध, हिंसा, और मानसिक तनाव की चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में प्रकृति में संतुलन, हृदयों में करुणा

और संसार में शांति की अत्यंत आवश्यकता है ताकि हर प्राणी सुरक्षित व समृद्ध रह सके।

आज हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम प्रकृति के स्वामी नहीं, बल्कि उसके संरक्षक हैं। प्रकृति के संतुलन से ही जीवन की निरंतरता बनी रहती है। यदि हमने वनों को काटा, नदियों को प्रदूषित किया, जल-जंगल-जमीन को नष्ट किया, तो इसका प्रभाव केवल पर्यावरण पर नहीं, हमारे जीवन, हमारी भावी पीढ़ी के भविष्य और हमारी आत्मिक शांति पर भी पड़ेगा।

शांति केवल युद्ध न होने की स्थिति नहीं है, बल्कि वह अवस्था है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति अपने अंतर्मन में संतुलन और समरसता महसूस करता है। जब एक व्यक्ति शांत होता है, तो उसका परिवार शांत होता है। जब परिवार शांत होता हैं, तो समाज शांत होता है और जब समाज शांत होता है, तो संसार में स्थायी शांति का संकल्प साकार होता है।स्वामी जी ने कहा कि शांति बाहर से नहीं, भीतर से आती है। जैसे दीपक स्वयं प्रकाशित होकर अंधकार को दूर करता है, वैसे ही यदि हर हृदय करुणा और शांति से भर जाए, तो संसार में अंधकार के लिए कोई स्थान नहीं बचेगा। आज जरूरत है सभी सीमाओं, धर्मों, भाषाओं से ऊपर उठकर एक वैश्विक नागरिक बनने की।

स्वामी जी ने कहा कि सच्चा धर्म वही है जो सबके सुख की भावना से प्रेरित हो। वही सच्ची उन्नति है जो सभी को साथ लेकर चले और वही सच्चा योग है जो आत्मा को समस्त सृष्टि से जोड़ दे।

जब हम विकास की बात करते हैं, तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा विकास वही है जो न केवल वर्तमान की जरूरतें पूरी करे, बल्कि भविष्य की संभावनाओं की रक्षा भी करे। आज वैश्विक संकटों की जड़ में कहीं न कहीं प्रकृति के शोषण और संस्कृति के विस्मरण की पीड़ा छिपी है इसलिए, आज समय की मांग है, प्रकृति और संस्कृति का समन्वित संरक्षण।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, सजीव चेतना के रूप में देखा गया है। हमने नदियों को माता, वृक्षों को पूज्य और पशु-पक्षियों को सहचर माना है। हमारे वेदों, उपनिषदों और पुराणों में प्रकृति की महिमा गाई गई है, जिससे स्पष्ट होता है कि प्रकृति हमारे लिए पूज्य है, उपभोग की वस्तु नहीं।

आज, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता की हानि, और असंतुलित शहरीकरण जैसे संकट स्पष्ट कर रहे हैं कि हम अपनी प्रकृति से विमुख हो चुके हैं। जब हिमालय की गोद में स्थित नदियाँ सूखने लगती हैं, जब वृक्षों की जगह कंक्रीट उगते हैं और जब वन्य जीवों का अस्तित्व संकट में आता है, तो यह केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, यह एक आध्यात्मिक चेतावनी भी है।

नगला मॉधौ में गरजा बाबा का बुलडोजर ग्राम सभा की सरकारी जमीन कराई कब्जा मुक्त

बहादुर सिंह सम्वादाता गोड़ा / भारत संवाद

अलीगढ। तहसील इगलास के थाना गोंडा क्षेत्र के गांव नगला मॉधौ उर्फ कन्नू में खाद के गड्ढो पर गांव के कुछ दबंग लोगों ने अवैध कब्जे कर रखे थे, प्रधान के अनेक बार कहने पर भी लोग अपने अवैध कब्जे हटा नहीं रहे थे। विवश होकर ग्राम प्रधान उर्मिला देवी ने अवैध कब्जों की शिकायत उप जिलाधिकारी इंगलास से प्रार्थना पत्र देकर कर रखी थी।ग्राम प्रधान उर्मिला देवी की शिकायत पर उप जिलाधिकारी संज्ञान लेते हुऐ क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक हरवीर सिंह के साथ यहां के लेखपाल देवकांत यादव को आदेशित कर ग्राम सभा की जमीन पर खाद के गड्ढों को कब्जा मुक्त कराने के लिए गांव भेजा। राजस्व निरीक्षक अपने साथ लेखपाल व गोड़ा थाना की पुलिस को साथ लेकर गांव पहुंचे और वहां सभी गांव के लोगों व प्रधान के सामने स्थलीय पेमाइस की तो खाद के गड्ढों पर अवैध कब्जा पाया गया। अवैध कब्जों को जेसीवी मशीन से ग्राम प्रधान की मौजूदगी में हटवा कर ग्राम सभा की जमीन को प्रधान के

सुपुर्द कर दिया इस मौके पर गांव के दर्जनों लोग मौजूद रहे, थाना गोंडा की पुलिस भी शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए मुस्तदी के साथ मौजूद रही।इस कार्य के लिए गांव वाले ग्राम प्रधान की भूरी भूरी प्रशंसा करते देखे गए।सभी लोग प्रधान की सराहना कर रहे हैं।

प्रत्येक व्यापारी आदर्श नागरिक व दानवीर बनेः शीतल टण्डन

प्रदेश सरकार द्वारा भामाशाह जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाने की घोषणा सराहनीय पहल

भारत संवाद

सहारनपुर। उ.प्र.उद्योग व्यापार मंडल की जिला इकाई के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष 29 जून को मनाई जाने वाली दानवीर भामाशाह जयंती की पूर्व संध्या पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय गांधी पार्क स्थित प्रभु जी की रसोई के प्रांगण में किया गया और जरूरत मंदों को निःशुल्क भोजन वितरित किया गया, इस अवसर पर कार्यक्रम में विचार रखते हुए व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने कहा कि मेवाड राजस्थान की पावन भूमि पर 29 जून सन 1567 को जन्मे भामाशाह भारत भूमि पर ही नहीं अपितु विश्व भर में अपने राष्ट्रप्रेम व अतुल्य त्याग के लिए सदैव याद किये जाते रहेंगे। उन्होने कहा कि मुगल काल में हिन्दू राजाओं पर विजय प्राप्त करने की कूटनीति के अंतर्गत एक-एक करके राजस्थान के चित्तौड़ से लेकर जोधपुर व बीकानेर तक राजपूत राजाओं ने मुगलो की अधीनता स्वीकार करके अपनी राजसत्ता मुगलों के आधीन कर दी थी तब एकमात्र महाराणा प्रताप नहीं झुके थे। उन्होंने मुगलों की आधीनता अस्वीकार करके वीर की भांति युद्ध में लड़कर देश के लिए जान न्यौछावर करने की ठानी थी तब तत्कालीन मेवाड़ राज्य के मंत्री महान योद्धा व धनी दानवीर भामाशाह ने अपनी राष्ट्रभक्ति व उदारता का अविस्मरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपनी समस्त धन सम्पत्ति जिसमें 25 लाख रुपए नगद, 20 हजार सोने की अशरफियां, हीरे-जवाहरात महाराणा प्रताप को देकर पुनः मेवाड़ प्राप्त किया था और युद्ध में विजय प्राप्त की थी। ऐसे दानवीर भामाशाह की जयंती पर प्रत्येक व्यापारी शत-शत नमन करता है। श्री टण्डन ने कहा कि प्रत्येक व्यापारी को दानवीर भामाशाह की तरह राष्ट्रभक्ति व त्याग की भावना तथा व्यापार मण्डल की आचार संहिता का पालन कर एक आदर्श नागरिक बनना होगा। इसके संदर्भ में सभी व्यापारियों को शपथ भी दिलवायी गयी। भामाशाह का पुण्य कार्य देश व समाज के साथ-साथ कृतज्ञ व्यापारी समाज की देशभक्ति का अनुपम उदाहरण है, जो कि हम सबके के लिए अनुकरणीय है। व्यापारी समाज के लिए भामाशाह एक आदर्श पुरूष हैं, और हर व्यापारी को एक आदर्श नागरिक व दानवीर पुरूष बनना होगा। श्री टण्डन ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया गया कि कुछ वर्ष पूर्व राजस्थान सरकार को विशिष्ट लोगों को प्रत्येक वर्ष भामाशाह पुरस्कार दिया जाता है। साथ ही राजस्थान में आर्थिक एवं नारी सशक्तिकरण को मजबूत बनाने के लिए भामाशाह योजना को भी सफलतापूर्वक लागू किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों द्वारा एकता, सदभावना और सेवा के लिए निरन्तर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन, जिला महामंत्री रमेश अरोडा, जिला कोषाध्यक्ष कर्नल संजय मिडढा, प्रांतीय संगठन मंत्री पवन कुमार गोयल, मुरली खन्ना, संजीव सचदेवा, भोपाल सिंह सैनी, सन्नी मल्होत्रा, प्रवीन चांदना, योगेश पंवार, शिव कुमार, अंकुश कर्णवाल आदि व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फास्ट ट्रैक

प्रवर्तन दल व दुकानदारों के बीच विवाद में जांच समिति गठित

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने प्रर्वतन दल के कुछ कर्मचारियों एवं कुछ दुकानदारों के बीच पॉलीथिन जब्तीकरण की कार्रवाई के दौरान कथित विवाद की जांच के लिए एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। दो दिन पूर्व प्रवर्तन दल के सदस्यों एवं सफाई निरीक्षकों की टीम ने कोर्ट रोड व दिल्ली रोड पर प्रतिबंधित प्लास्टिक व पॉलीथिन को जब्त करने का अभियान चलाया था। इस अभियान में कार्रवाई के दौरान की कुछ वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर प्रसारित किये गए।जिसमें दुकानदारों/व्यापारियों एवं प्रवर्तन दल के सदस्यों के बीच विवाद के कुछ अंश दशार्ये गए और निगम की कार्यशैली के प्रति नकारात्मक टिप्पणियां की गयी। नगरायुक्त शिपू गिरि ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर नगरायुक्त मृत्युंजय की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय समिति का गठन उक्त प्रकरण की जांच के लिए किया गया है। समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी जांच कर जांच रिपोर्ट नगरायुक्त को सौंपेंगी। समिति में नगर स्वास्थय अधिकारी प्रवीण शाह व लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी को शामिल किया गया है।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा 2 जुलाई को निकलेगीः भारत कर्णवाल

सहारनपुर। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा समिति द्वारा आगामी दो जुलाई को रथ यात्रा निकाली जाएगी। रथ यात्रा को लेकर भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा समिति के पदाधिकारीयो के द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। घंटाघर स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दो जुलाई को रथ यात्रा काफी धूमधाम से निकाली जाएगी। प्रेसवार्ता में इस्कॉन से पधारे प्रभुजनों ने भक्तिपूर्ण गीतों और कीर्तन से वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।रथ यात्रा के मुख्य संयोजकचेयरमैन भारत करनवाल ने बताया कि इस वर्ष भी यात्रा पिछले वर्षों की भांति भव्यता और श्रद्धा के साथ निकाली जाएगी। यात्रा के संचालन प्रभारी प्रवेश धवन ने बताया कि यात्रा से पूर्व अग्रवाल धर्मशाला में वृंदावन से आए भक्तजन प्रभु का संकीर्तन करेंगे और वहां सभी को प्रसाद वितरित किया जाएगा। यात्रा का मार्ग भगत सिंह चैक से प्रारंभ होकर मोरगंज, बाजार चैक, फव्वारा चैक, शहीद गंज चैकी, सराय, नेहरू मार्केट, भगत सिंह मार्ग, घंटाघर, कोर्ट रोड होते हुए कलेक्ट्रेट चैराहे के माध्यम से दिल्ली रोड से हरि मंदिर तक जाएगी। समापन के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को भंडारे में लंगर प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस बार की रथ यात्रा में देश-विदेश से आए भक्तजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। विशेष रूप से विदेशी भक्तों का भक्ति ट्राला श्रद्धालुओं के बीच उत्सुकता का विषय बना रहेगा।प्रेसवार्ता में मुकेश सेठी, संजीव शर्मा, रमी धवन, विनीत करनवाल, संजीव करनवाल, मुकेश मेहता, शेखर करनवाल, संजय करनवाल, संजीव शर्मा, प्रवेश धवन, दीपक करनवाल, ललित पोपली, आशीष महाजन आदि उपस्थित रहे।

शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह और बजाज फिनसर्व के बीच स्किल डेवलपमेंट को लेकर हुआ करार

सहारनपुर। दिग्गज वित्तीय कंपनी बजाज फिनसर्व ने आज शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह के साथ बैंकिंग क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट बढ़ाने के उद्देश्यष्से एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किया है। बजाज फिनसर्व के इस समझौते का मकसद अधिक से अधिक छात्रों को बैंकिंग क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देना और उनके लिए रोगजार के नए अवसरों को खोलना है। इस मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह के कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह के द्वारा हस्ताक्षर किए गए। कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह ने कहा कि इस सहयोगात्मक प्रयास से शोभित विश्वविद्यालय के छात्रों को महत्वपूर्ण अवसर मिलेंगे और उनके समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। दोनों संस्थान इस साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह के कुलपति प्रो.(डॉ.) रणजीत सिंह ने कहा कि शोभित विश्वविद्यालय हमेशा से युवाओं के कौशल विकास और उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। यह एमओयू विश्वविद्यालय के छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और अपने करियर को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशिक्षण विकास केंद्र के समन्वयक डॉ. नवीन कुमार, बिजनेस स्टडीज और उद्यमिता स्कूल के हेड डॉ. सोमप्रभ दुबे एवं अन्य विभागीय संकाय उपस्थित रहे।

उप कृषि निदेशक सभागार जनपद हाथरस में कृषि विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए नैनो उर्वरक कार्यशाला किया आयोजन

भारत संवाद

दिनांक 28/06/2025 को उप कृषि निदेशक सभागार जनपद हाथरस में कृषि विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए नैनो उर्वरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय वस्तु विशेषज्ञ श्रीनिवास पचौरी ने बताया कि नैनो उर्वरकों द्वारा फसल की लागत में कमी की जा सकती है चुंकि यह उर्वरक पर्यावरण के प्रदूषण को भी कम करते हैं जिससे कि पर्यावरण के संरक्षण में भी वृद्धि की जा सकती है पारंपरिक उर्वरक यूरिया एवं डीएपी के अंधाधुंध प्रयोग से भूमि की उर्वरता लगातार नष्ट हो रही है इफको क्षेत्राधिकारी अभिषेक तिवारी द्वारा बताया गया की नैनो उर्वरक नैनो टेक्नोलॉजी पर आधारित नैनों तरल उर्वरक हैं नैनो उर्वरक पोषक तत्वों के वितरण की प्रभावशीलता में सुधार करते हैं तथा पर्यावरण को होने वाली हानि को भी कम करते हैं यह किसानों के लिए वहनीय होने के साथ-साथ उनकी आय में भी वृद्धि करता है आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे उप कृषि निदेशक हंसराज ने बताया कि किसानों को नैनो यूरिया नैनो डीएपी का प्रयोग करना चाहिए चुंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार अस्थिर है नैनो उर्वरक बेहतर खाद गुणवत्ता के साथ-साथ उच्च फसल पैदावार में मदद करता है आप लोग नैनो उर्वरकों की लाभ एवं उपयोगिता के बारे में बताएं जिससे कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग को भी कम किया जा सके और पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके अंत में इफको क्षेत्र अधिकारी अभिषेक तिवारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया इस कार्यक्रम में ADO कृषि, TCA कृषि ATM एवं BTM सहित लगभग 50-55 लोग उपलब्ध रहे इस कार्यक्रम में इफको से SFA (HotSpot) बृजेश यादव एवं MDE हरिओम सिंह मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन इफको क्षेत्र अधिकारी अभिषेक तिवारी द्वारा किया गया

आंगनवाड़ी कार्यकत्री का सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

जिला प्रशिक्षण कार्यालय धनीपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

आंगनवाड़ी कार्यकत्री को उनके काम को बेहतर ढंग से करने और बच्चों और महिलाओं के विकास में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए प्रशिक्षण होगा सहायक -कृष्णकांत राय, डीपीओ

भारत संवाद

अलीगढ़ 28 जून 2025 (सू0वि0): आंगनवाड़ी सहायिका से आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पद पर प्रतिचयनित 39 आंगनवाड़ी कार्यकत्री का 07 दिवसीय प्रशिक्षण जिला प्रशिक्षण कार्यालय धनीपुर में दिया जा रहा है। जिसका उद्घाटन जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्णकांत राय द्वारा किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रशिक्षण में अलीगढ़ जिले की 25 एवं हाथरस की 14 आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा प्रशिक्षण लिया जा रहा है जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनबाड़ी सहायिका से आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पद के लिए प्रशिक्षण, आंगनवाड़ी कार्यकत्रीओं को उनके काम को बेहतर ढंग से करने और बच्चों और महिलाओं के विकास में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आमतौर पर आंगनवाड़ी कार्यकत्रीओं को विभिन्न विषयों जैसे कि स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक बचपन शिक्षा, और सामुदायिक जुड़ाव पर जानकारी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रीओं को 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों के शारीरिक, भावनात्मक, और बौद्धिक विकास के विभिन्न चरणों के बारे में जागरूक करना। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति में सुधार के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे फैंसी ड्रेस, खेल, और स्वस्थ शिशु प्रतियोगिताओं का आयोजन करना। आंगनवाड़ी कार्यकत्रीओं को बच्चों और महिलाओं के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना। आंगनवाड़ी कार्यकत्रीओं को समुदाय के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने और उनकी जरूरतों को समझने में मदद करना।प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी

कार्यकत्रीओं को बच्चों का विकास, पोषण और स्वास्थ्य, शिशुओं की देखभाल, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं की देखभाल, समुदाय के साथ जुड़ना और सेवाएं प्रदान करना, आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रबंधन, सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण आंगनवाड़ी कार्यकताओं को न केवल अपने काम को बेहतर ढंग से करने में मदद करता है, बल्कि समुदाय के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाता है।

दानवीर भामाशाह की जयंती की पूर्व संध्या पर व्यापारी कल्याण दिवस का हुआ भव्य आयोजन

व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर कई उद्यमियों को किया गया सम्मानित।

संस्कृति विभाग द्वारा भामाशाह के जीवन चरित्र पर आधारित लगायी गयी अभिलेख प्रदर्शनी का किया गया अवलोकन।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) एस. सुधाकरन सहित सम्मानित उद्यमियों/व्यापारियों की उपस्थिति में नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में दानवीर भामाशाह जयंती (जन्म दिवस दिनांक 29 जून, 2025) की पूर्व संध्या पर ह्यव्यापारी कल्याण दिवसह्न के रूप में मनाये जाने हेतु भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में सहायक आयुक्त (प्रशासन) राज्य कर लोहित शरण सहित अन्य व्यापारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दानवीर भामाशाह जयंती की पूर्व संध्या पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 के संबोधन से हुआ, जिसका सजीव प्रसारण जनपद स्तरीय कार्यक्रम में देखा व सुना गया। तत्पश्चात जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी महोदय सहित अन्य अधिकारियों, व्यापारियों द्वारा भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्जन कर किया गया। जिलाधिकारी महोदय के कर कमलो द्वारा जनपद के शीर्ष 05 करदाताओं- विजय कंस्ट्रक्शन इण्डिया प्रा0लि0 सुलतानपुर श्री शिव शंकर सिंह, मेसर्स मीत एसोसिएट्स सुलतानपुर श्री बलदेव सिंह, रतनदीप मोटर्स श्री दीपक जैन, श्री तिरुपति डिस्ट्रीब्यूटर प्रा0लि0 श्री मनीष अग्रवाल, राज कंस्ट्रक्शन श्रीमती रेखा जी को प्रशस्ति पत्र देकर व माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के लिए व्यापक तैयारी

मण्डलायुक्त ने मण्डल के सभी डीएम-एसएसपी एवं एसपी को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़,2025 (सू0वि0): आगामी श्रावण मास में 11 जुलाई से 09 अगस्त 2025 तक प्रस्तावित कांवड़ यात्रा के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ के निर्देशन में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार, मथुरा, राजस्थान, रामघाट व हरियाणा की ओर यात्रा करते हैं। इसके साथ ही सांकरा, लहरा, बाजपुर, नरौरा व रामघाट गंगा घाट से जल लाकर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। मंडलायुक्त ने बताया कि कांवड़ यात्रा मार्गों की विशेष मरम्मत, चौड़ीकरण और बाधा रहित मार्ग सुनिश्चित करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिए गए हैं। इसके साथ ही सभी जिला मजिस्ट्रेट को 5 जुलाई 2025 तक सभी तैयारियां पूरी करने के भी आदेश दिए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा न हो। संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी के साथ-साथ पीस कमेटी की बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। काबड़ यात्रा के दौरान डीजे की ऊचांई निर्धारित मानक से अधिक न हो। विद्युत विभाग सुनिश्चित करे कि काबड़ यात्रा मार्ग पर झूलते तार और क्षतिग्रस्त विद्युत पोल न हो।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा निमार्णाधीन पेयजल योजना नगर पंचायत लम्भुआ का किया गया निरीक्षण

भारत संवाद

सुलतानपुर,जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी लम्भुआ गामिनी सिंगला की उपस्थिति में निमार्णाधीन पेयजल योजना नगर पंचायत लम्भुआ का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा कराये जा रहे बोरबेल, सप्लाई पाइप लाइन में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पेयजल परियोजना में प्रयुक्त हो रही पाइप की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि थर्ड पार्टी से गुणवत्ता की जांच कराकर पाइप का प्रयोग किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा एसडीएम लम्भुआ को निर्देशित किया गया कि कल निरीक्षण कर पाइप का सैम्पल इकट्ठा कर जॉच हेतु प्रेषित किया जाय। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यस्थल पर पर्याप्त मानव श्रम की उपस्थिति न होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्यदायी संस्था को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिये गये।

कार्यालय नगर पंचायत जट्टारी (अलीगढ़)

पत्रीक 242 न0पं0 जट्टारी/2025-26 दिनांक 28/06/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निदेशक स्थानीय निकाय उ०२० सेक्टर-7, गोमती नगर विस्तार लखनऊ के पत्र सं०-8/001/139(2)/02प्रति०अति०स्टा०सु०/2024-25 लखनऊ दिनाँक 02 अप्रैल 2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में त्रैमास द्वितीय किश्त के रूप में रू0 2165095-00 की धनराशि प्राप्त हुई है। एवं पूर्व में प्राप्त हुई प्रथम किस्त की अवशेष धनराशि रू०-1104763-00 से निर्माण कार्य करने के लिये निविदायें दिनांक 21.07.2005 को कार्यालय नगर पंचायत जटारी पर सांय 04 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। घरोहर धनराशि एवं निविदा शुल्क नगर पंचायत जट्टारी के स्टेट बैंक शाखा जट्टारी में संचालित "Nagar Panchayat Jattari E Tendering" खाता संख्या-39088281139 आईएफएससी कोड-SBIN0011346 में ऑनलाइन जमा करनी होगी तथा धनराशि की रसीद जमा करने सम्बन्धी अथवा यूनिक रेफरेन्स नम्बर (UTR No.) निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा फार्म दिनांक 30.06.2025 से 21.07.2025 सांय 04:00 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है। प्राप्त निविदाओं को कमेटी के समक्ष दिनांक 22.07.2025 को अपराहन 02:00 से 04:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत जट्टारी पर खोली जायेगी। अन्य नियम व शर्ती कार्यालय नगर पंचयात जट्टारी (अलीगढ़) से किसी भी कार्य दिक्स में प्राप्त की जा सकती है। बिना कोई कारण बताये किसी भी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

क०स०	नाम निर्माण कार्य	अनुमानित लागत	10% जमानत धनराशि	निविदा मूल्य+जी०एस० टी०	कार्य अवधि
1	Stoning Work over Office Gate in Nagar Panchayat Jattari.	409600=00	40960=00	500	1 माह
2	Providing of M.S. Grills in Four Toilet Blocks in Nagar Panchayat Jattari.	603800=00	60380=00	100	1 माह
3	Const. of C.C. Interlocking & Drain in Nagar Panchayat jattari in Gangapur Haresh chand house to Rajkumar house.	434675=00	43467=00	500	1 माह
4	मा० गंगापुर में राजन के मकान से सुनील, रामकुमार आदि के खेत तक आर०सी०सी० रोड एवं नाली निर्माण कार्य	393642=00	39364=00	500	1 माह
5	बुलबुल खां के प्लाट से होरीलाल जाटव के प्लाट तक कब्रिस्तान की बाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	198871=00	19887=00	500	15 दिन
6	Wet Waste Processing Unit For 3 Tons.	143896=00	14389=00	500	1 माह

लिपिक
नगर पंचायत जट्टारी
(अलीगढ़)

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत जट्टारी
(अलीगढ़)

अध्यक्ष
नगर पंचायत जट्टारी
(अलीगढ़)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्वद्व/स्रुरुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्वद्व/स्रुरु से ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में...

भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्स- नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशन- नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुण- नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है. दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ, डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी) और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से होने वाली अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन द्बद्ब (एंग II) - एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण लिपिड अणु प्रोस्टाग्लैंडीन ई2 और इसके रिसेप्टर %ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

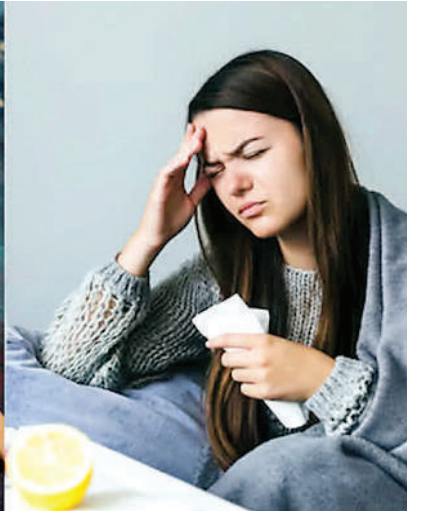

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन जापान के सहयोगी शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और मांसिक स्वास्थ के लिए एक रिस्क फैक्टर्स माना जाता है. हालांकि, परिधीय और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के बीच बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने वाले अध्ययनों ने पर्याप्त जांच नहीं की है.

पीओके में पाकिस्तान फिर से आतंकी कैंप्स बना रहा

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में तबाह किए थे , इस बार एडवांस टेक्नीक से लैस कर रहा

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तानी सेना, सीक्रेट एजेंसी आईएसआई और सरकार मिलकर भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए आतंकी ठिकानों और ट्रेनिंग कैंप्स को फिर से बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सेना की मदद से आतंकी संगठन अब लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास घने जंगलों में छोटे और हाई-टेक ट्रेनिंग कैंप बना रहे हैं। इनका मकसद भारतीय सेना की निगरानी और हवाई हमलों से बचना है। ये कैंप्स लुनी, पुटवाल, ताइपु पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरनवाली, चप्रार, फॉरवर्ड कहुटा, छोटा चक और जंगलोरा जैसे इलाकों में बनाए जा रहे हैं। इनमें थर्मल इमेजर, जंगल में निगरानी करने वाले रडार और सैटेलाइट को चकमा देने वाली तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। पाकिस्तान पीओके में फिर से 13 लॉन्चपैड डेवलप कर रहा है। इनमें केल, शारदी, दुधनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा वैली, पचिबन चमन, तंदपानी, नैयाली, जानकोट, चकोटी, निकैल और फॉरवर्ड कहुटा शामिल

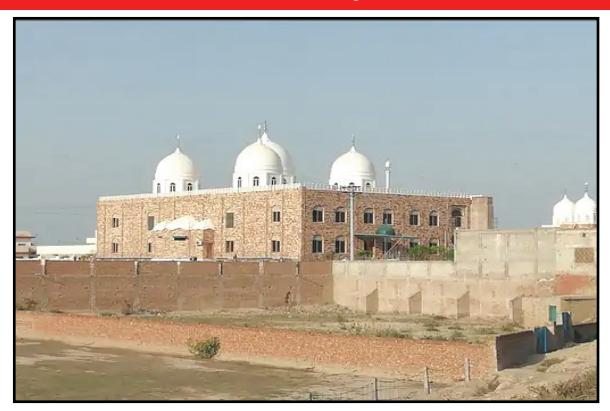

हैं। इसके अलावा, जम्मू सेक्टर की इंटरनेशनल बॉर्डर पर मसरूर बड़ा भाई, चप्रार, लुनी और शकरगढ़ में चार लॉन्चपैड बना रहे हैं। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। आईएसआई अब बड़े आतंकी कैप्स की जगह छोटे-छोटे कैंप बनाने पर फोकस कर रही है। ताकि किसी हमले में नुकसान को कम किया जा सके। हर कैंप की अपनी सिक्योरिटी सिस्टम होगी, जिसमें खास तरह से ट्रेंड पाकिस्तानी सैनिक तैनात होंगे। ये सैनिक थर्मल सेंसर, लो फ्रीक्वेंसी वाले रडार और एंटी-ड्रोन तकनीक से लैस होंगे। सीक्रेट एजेंसियों ने बहावलपुर में हुई एक सीक्रेट बैठक की जानकारी भी इंटरसेप्ट की है। इस बैठक में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के सीनियर कमांडर्स के साथ आईएसआई अधिकारी शामिल थे। बैठक में आईएसआई ने तबाह हुए आतंकी ठिकानों को फिर से बनाने के लिए धनराशि और जरूरी रिसोर्स देने का वादा किया है। पाक आर्मी चीफ मुनीर ने एक हफ्ते पहले मरकज सुब्हान अल्लाह परिसर, बिलाल मस्जिद, उम्मुल कुर्रा, जामिया दावा इस्लामी मदरसा व भारतीय हमलों में तबाह हुए अन्य आतंकी ठिकानों को रिपेयर करने की डेडलाइन 31 जून तय की थी। दरअसल, 1 जुलाई से पाकिस्तान में मदरसे खुलेंगे। पहले मदरसे 20 जून से खुलने थे, लेकिन इनके ठीक न हो पाने के चलते मदरसे खुलने की तारीख बदल दी गई है। मुनीर ने इन्हें रिपेयर करने के लिए एक टीम बनाई है। वह खुद इन कामों की निगरानी कर रहे हैं। जिससे साफ है कि पाक अपने यहां पाले गए आतंकवाद को फिर खड़ा कर रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या की थी। इसका बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद, पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी की। साथ ही बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमलों की भी कोशिश की। जवाब में, भारत ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस मशीनरी, रडार इन्फ्रास्ट्रक्चर और कम्युनिकेशन सेंटर्स पर हमले किए और उन्हें नष्ट कर दिया। भारतीय हमले ने पाकिस्तान के 11 एयरबेसों को भारी नुकसान पहुंचाया। इसके बाद, 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म करने के लिए सीजफायर की घोषणा की गई।

जंग में मारे गए 60 ईरानी अफसरों का अंतिम संस्कार

जनाजे में हजारों लोग पहुंचे; ईरानी विदेश मंत्री, स्पीकर सहित बड़े नेता भी शामिल

एजेंसी

तेहरान, इजराइल के साथ 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान मारे गए 60 ईरानी अफसरों का शनिवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। इनमें 30 सैन्य कमांडर्स और 11 परमाणु वैज्ञानिक शामिल हैं। तेहरान में इनके जनाजे में हजारों लोगों की भीड़ जुटी है। जिन लोगों को दफनाया जाएगा, उनमें ईरान के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी मोहम्मद बाघेरी भी शामिल हैं। वे ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ थे। अफसरों के शवों को गाड़ियों पर ईरानी झंडे में लिपटे ताबूतों में रखे थे। ताबूतों के साथ अफसरों की तस्वीरें भी रखी थीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास

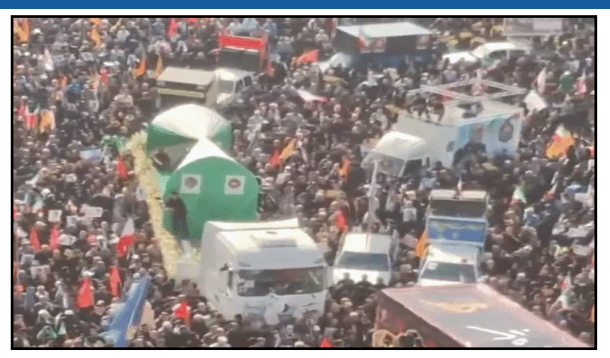

अराकची, पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाकर कलीबाफ, ज्युडिश्यरी चीफ मोहसेनी-एजेई, आईआरजीसी कुद्स फोर्स कमांडर इस्माइल कानी सहित कई बड़े नेता और सैन्य अधिकारी भी जनाजे में पहुंचे हैं। ईरान और इजराइल के बीच 12 जून को जंग शुरू हुई थी। अमेरिका ने 22 जून को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। दो दिन बाद, 24 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर ईरान-इजराइल के बीच सीजफायर का ऐलान किया था।

ट्रम्प बोले- मैंने खामेनेई को भयानक मौत से बचाया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के उस दावे को झूठा करार दिया, जिसमें उन्होंने इजराइल के खिलाफ जंग में जीत की ऐलान किया था। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा, 'मैंने खामेनेई को एक भयानक और अपमानजनक मौत से बचाया। मुझे यह भी उम्मीद नहीं है कि वे मुझे शुक्रिया कहेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि वह खामेनेई के ठिकाने से वाकिफ थे, लेकिन उन्होंने इजराइल और अमेरिकी सेना को उनकी हत्या से रोका, जिससे उनकी जान बच गई। उन्होंने आगे कहा, 'ईरान ग्लोबल सिस्टम में शामिल होने की जगह गुस्सा और दुश्मनी दिखा रहा है, जिसकी वजह से उनकी सेना, इकोनॉमी और भविष्य बर्बाद हो चुका है।' इजराइली रक्षा मंत्री ने भी कहा- खामेनेई को मारना चाहते थे इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा था कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर को खत्म करना चाहता था।

काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते।' काट्ज ने कहा, 'इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था।'

पाकिस्तान के खैबर प्रांत में सुसाइड अटैक

13 सैनिकों की मौत, 29 घायल; हमलावर विस्फोटकों से लदी गाड़ी लेकर फौजी काफिले से टकराया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को एक आत्मघाती हमलावर ने सैन्य काफिले को निशाना बनाया। इसमें 13 सैनिक मारे गए। जबकि 10 सैनिक और 19 नागरिक घायल हो गए। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक हमलावर ने विस्फोटकों से लदी गाड़ी सैन्य काफिले में घुसा दी थी। खैबर पख्तूनख्वा में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने एएफपी को बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि दो घरों की छतें गिर गईं, जिससे छह बच्चे घायल हो गए। इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी पाकिस्तान-तालिबान (टीटीपी) से जुड़े हाफिज गुल बहादुर ग्रुप ने ली है। खैबर प्रांत को टीटीपी का गढ़ माना जाता है। आतंकी संगठन टी.टी.पी ने 24 जून को दक्षिणी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी पर हमला किया था, जिसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक पाकिस्तानी कमांडर मोइज अब्बास भी था, जिसने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। बालाकोट में एयर स्ट्राइक के अगले दिन 27 फरवरी को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी।

जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था।

हालांकि उनका विमान पाकिस्तानी सीमा में गिर गया था। पाकिस्तानी आर्मी ने अभिनंदन को कैद कर लिया था। साल 2002 में अमेरिकी सेना ने 9/11 आतंकी हमले का बदला लेने अफगानिस्तान में धावा बोलती है। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई के डर से कई आतंकी पाकिस्तान के कबाइली इलाके में छिप जाते हैं। इसी दौरान पाकिस्तान की सेना इस्लामाबाद की लाल मस्जिद को एक कट्टरपंथी प्रचारक और आतंकियों के कब्जे से मुक्त कराती है। हालांकि कट्टरपंथी प्रचारक को कभी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का करीबी माना जाता था, लेकिन इस घटना के बाद स्वात घाटी में पाकिस्तानी आर्मी की खिलाफत होने लगी। इससे कबाइली इलाकों में कई विद्रोही गुट पनपने लगे। ऐसे में दिसंबर 2007 को बेयतुल्लाह मेहसूद की अगुवाई में 13 गुटों ने एक तहरीक यानी अभियान में शामिल होने का फैसला किया, लिहाजा संगठन का नाम तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान रखा गया।

शॉर्ट में इसे टी.टी.पी या फिर पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। आतंकवाद की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान में अब तक जितने भी आतंकी संगठन अस्तित्व में आए हैं, उनमें तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को सबसे खतरनाक माना जाता है।

ट्रम्प ने कनाडा के साथ टैरिफ को लेकर बातचीत रोकी

अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल टैक्स लगाने से नाराज, कहा- कनाडा पर जल्द नया टैरिफ लगाऊंगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता तुरंत खत्म कर दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि वे जल्द ही कनाडा पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा करेंगे। दरअसल, कनाडा ने अमेरिका पर डिजिटल सर्विसेज टैक्स (डीएसटी) लगा दिया है। इससे नाराज होकर ट्रम्प ने यह फैसला किया। ट्रम्प ने कहा कि अगले 7 दिनों में कनाडा को बता दिया जाएगा कि उसे

अमेरिका के साथ बिजनेस करने के लिए कितना टैरिफ देना होगा। कनाडा सोमवार से लगा रहा डिजिटल सर्विसेज टैक्स कनाडा का डिजिटल सर्विसेज टैक्स एक्ट पिछले साल 20 जून, 2024 को कनाडा की संसद में पास हुआ था। हालांकि यह टैक्स 30 जून से लागू होगा। नियम के मुताबिक यह 2022 से पुराने बिलों पर भी लगेगा। यानी टैक्स का पैसा पिछले समय के लिए भी देना होगा। डिजिटल सर्विसेज टैक्स वह टैक्स होता है, जो ऑनलाइन सर्विस देने वाली कंपनियों से वसूला जाता है। बड़ी विदेशी और घरेलू कंपनियों को, जो कनाडा में ऑनलाइन यूजर्स से पैसा कमा रही हैं, उसे आय पर 3% टैक्स देना होगा। यह टैक्स ऑनलाइन मार्केटप्लेस, सोशल मीडिया, ऑनलाइन विज्ञापन और यूजर डेटा बेचने से हुई कमाई पर लागू होगा। यह टैक्स उन कंपनियों पर लागू होता है जिनकी सलाना कमाई 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा है।

इससे खासकर अमेरिकी टेक कंपनियां जैसे मेटा, गूगल, एपल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट ज्यादा प्रभावित होंगी। कारोबारियों का अनुमान है कि इस टैक्स से अमेरिकी कंपनियों को हर साल दो अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होगा। इसके साथ ही अमेरिका में 3,000 नौकरियां भी जा सकती हैं।

बिहार में चुपचाप एनआरसी लागू कर रहा चुनाव आयोग

विधानसभा चुनाव से पहले ओवैसी का बड़ा आरोप

एजेंसी

अपने एक्स पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाने के लिए अब हर नागरिक को दस्तावेजों के जरिए साबित करना होगा कि वह कब और कहाँ पैदा हुए थे, और साथ ही यह भी कि उनके माता-पिता कब और कहाँ पैदा हुए थे।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग पर आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में गुप्त रूप से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नए नियमों के तहत लोगों को अपने और अपने माता-पिता के जन्म विवरण को दस्तावेजों के माध्यम से साबित करना होगा, जो कई गरीब नागरिकों, खासकर बाढ़ प्रभावित सीमांचल में, के पास नहीं है। अपने एक्स पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाने के लिए अब हर नागरिक को दस्तावेजों के जरिए साबित करना होगा कि वह कब और कहाँ पैदा हुए थे, और साथ ही यह भी कि उनके माता-पिता कब और कहाँ पैदा हुए थे। विश्वसनीय अनुमानों के अनुसार भी केवल तीन-चौथाई जन्म ही पंजीकृत होते हैं। ज्यादातर सरकारी कागजों में भारी गलतियाँ होती हैं। उन्होंने आगे लिखा कि बाढ़ प्रभावित सीमांचल क्षेत्र के लोग सबसे गरीब हैं; वे मुश्किल से दिन में दो बार खाना खा पाते हैं। ऐसे में उनसे यह अपेक्षा करना कि उनके पास अपने माता-पिता के दस्तावेज होंगे, एक क्रूर मजाक है। इस प्रक्रिया का परिणाम यह होगा कि बिहार के गरीबों की बड़ी संख्या को वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया जाएगा। वोटर लिस्ट में अपना नाम भर्ती करना हर भारतीय का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने 1995 में ही ऐसी मनमानी प्रक्रियाओं पर सख़्त सवाल उठाए थे। चुनाव के इतने करीब इस तरह की कार्रवाई शुरू करने से लोगों का निर्वाचन आयोग पर भरोसा कमजोर हो जाएगा।

संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं, इसे आपातकाल के दौरान बदला गया

उपराष्ट्रपति धनखड़ का बयान

धनखड़ ने कहा कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बी आर अंबेडकर ने संविधान पर बहुत मेहनत की और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा।

एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह दस्तावेज विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी अन्य संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि लेकिन इस प्रस्तावना को 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा बदल दिया गया था। उन्होंने कहा कि इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द जोड़े गए थे। धनखड़ ने कहा कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बी आर अंबेडकर ने संविधान पर बहुत मेहनत की और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी भी देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। यहां एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में उनकी टिप्पणी गुरुवार को आरएसएस द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने के आान के बाद आई है। आरएसएस ने कहा कि इन्हें आपातकाल के दौरान शामिल किया गया था और ये अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा कभी नहीं थे।कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा इस बात पर राष्ट्रीय बहस के आान की आलोचना की है कि क्या 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने इसे राजनीतिक अवसरवाद और संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला करार दिया है। आपातकाल के दिनों (1975-77) के दौरान संविधान की प्रस्तावना में शामिल किए गए दो शब्दों की समीक्षा के लिए होसबोले की जोरदार वकालत ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया, आरएसएस से जुड़ी पत्रिका ऑर्गनाइजर में प्रकाशित एक लेख में कहा गया कि यह संविधान को खत्म करने के बारे में नहीं है, बल्कि कांग्रेस की आपातकाल-युग की नीतियों की विकृतियों से मुक्त होकर इसकी मूल भावना को बहाल करने के बारे में है।

केरल में भारी बारिश, आईएमडी ने पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया

आईएमडी ने राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में शनिवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश होता है।

एजेंसी

केरल में मानसून की बारिश जारी रहने के कारण राज्य में हाई अलर्ट जारी है, क्योंकि नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और बांधों के शटर खोले जा रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के लिए अपने पूवार्नुमान में संशोधन किया है, जिसके तहत आज वायनाड और इडुक्की जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। आईएमडी ने राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में शनिवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश होता है। पिछले कुछ दिनों में राज्य में हुई बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में वायनाड जिले के बाणासुर सागर और पथानामथिट्टा जिले के मूझियार जैसे कुछ बांधों के फाटक खोल दिये गए हैं।एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, त्रिशूर जिले में पीची बांध के फाटक शनिवार दोपहर को खोले जाने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण जल स्तर बढ़ने के बाद पलक्कड़ में कंजिरापुझा, मालमपुझा और मीनकारा सहित विभिन्न बांधों के फाटक शनिवार को खोल दिए गए।

परिवार संग भगवान जगन्नाथ के दर पर गौतम अदाणी, श्रद्धालुओं के लिए शुरू की 'प्रसाद सेवा'

महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की असीम कृपा से हमें पुरी धाम की पवित्र रथ यात्रा के दौरान सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज से शुरू हो रही यह दिव्य यात्रा वह पवित्र क्षण है जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर उन्हें अपने दर्शन देकर धन्य करते हैं। यह केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि भक्ति, सेवा और समर्पण का एक उत्कृष्ट उत्सव है।

अडानी और उनकी पत्नी ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और पुरी के इस्कॉन किचन में सेवा की

एजेंसी

उद्योगपति और अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी अपनी पत्नी प्रीति अडानी के साथ शनिवार को ओडिशा के मंदिरों के शहर पुरी पहुंचे और भगवान जगन्नाथ की 9 दिवसीय रथ यात्रा में हिस्सा लिया। यह उत्सव शुक्रवार से शुरू हुआ। अडानी और उनकी पत्नी ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और पुरी के इस्कॉन किचन में सेवा की, जहां रथ यात्रा में शामिल होने वाले हजारों भक्तों के लिए प्रसाद और भोजन तैयार किया जाता है। अडानी समूह ने पुरी में रथ यात्रा में भाग लेने वाले भक्तों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अपनी 'प्रसाद सेवा' पहल शुरू की है। इससे पहले, गौतम अडानी ने इस पवित्र अवसर का हिस्सा बनने के लिए

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'अडानी परिवार' इस कार्यक्रम के दौरान सेवा करने के लिए धन्य महसूस कर रहा है। महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की असीम कृपा से हमें पुरी धाम की पवित्र रथ यात्रा के दौरान सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज से शुरू हो रही यह दिव्य यात्रा वह पवित्र क्षण है जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर उन्हें अपने दर्शन देकर धन्य करते हैं। यह केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि भक्ति, सेवा और समर्पण का एक उत्कृष्ट उत्सव है। इस पावन अवसर पर, अदाणी परिवार पूरी ईमानदारी और श्रद्धा के साथ लाखों श्रद्धालुओं की सेवा के लिए समर्पित है। हर श्रद्धालु को स्वच्छ, पौष्टिक और प्रेमपूर्वक परोसा गया भोजन मिले, इस संकल्प के साथ हमने पुरी धाम में 'प्रसाद सेवा' की शुरूआत की है। उद्योगपति ने पुरी में रथ यात्रा के दौरान सेवा करने के अवसर को बेहद गर्व की बात बताया, उन्होंने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की कृपा हम सभी पर हमेशा बनी रहे। मानवता की सेवा करना ईश्वर की सेवा करना है, और सेवा ही आध्यात्मिक साधना है।